▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 308 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 06-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आज पूरी मानवता चुका रही है पर्यावरण की उपेक्षा की कीमत : मुख्यमंत्री योगी

6 बदलते परिवेश में भी भारत और रूस की मित्रता रहेगी कायम

7 मैं खुद को सही साबित करने नहीं आई : शिल्पा शिंदे

फर्स्ट टेक

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हमले किये, छह लोगों की मौत

दिब्बीन/एपी। इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों पर हमले किए। इससे पहले सेना ने नौ गांवों के लोगों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की। इनमें से एक गांव काफी हद तक विनाश से बचा हुआ है, जहां तीन महीने के युद्ध से विस्थापित हजारों लोगों ने शरण ली हुई है। इजराइली सेना की चेतावनी के बाद सैकड़ों परिवारों को इलाका छोड़ना पड़ा। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, हमलों में छह लोगों की मौत हो गई। ये हमले चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला द्वारा इजराइल और लेबनानी सरकार के बीच हुए नवीनतम युद्धविराम समझौते को खारिज करने और लेबनान से इजराइल के पूरी तरह हटने की मांग करने के एक दिन बाद हुए हैं।

आरबीआई ने नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रख

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए शुक्रवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 6.6 प्रतिशत और खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त जस-की-तस बने रहने की संभावना है। आरबीआई ने इसके साथ मौद्रिक नीति रुख को 'तटस्थ' बनाये रखा है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा।

हिमाचल प्रदेश के कांगडा, चंबा में भूकंप के झटके

शिमला/चंडीगढ़/भाषा। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार रात 5.0 तीव्रता का भूकंप आया, जो कांगड़ा, चंबा और आसपास के जिलों में महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौसम विज्ञान कार्यालय के मुताबिक, रात करीब 10:30 बजे भूकंप आया और इसका केंद्र धर्मशाला से लगभग 40 किलोमीटर दूर कांगड़ा-चंबा सीमा के पास कांगड़ा के धर गोदोई के पास सतह से पांच किलोमीटर की गहराई में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटके महसूस होने के बाद धर्मशाला और आसपास के इलाकों के लोगों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों से बाहर निकल आए।

सूर्यास्त 06-06-2026	सूर्योदय 07-06-2026
6:33 बजे	5:41 बजे

BSE	NSE
74,243.34	23,366.70
(-116.66)	(-49.85)

सोना	चांदी
16,074 रु.	270,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पद लिप्सा

हल्दी की गांठ पकड़ मूषक,
खुद को पंसारी समझ रहे।
बिन तुले हुए ही कांटे पर,
वे खुद को भारी समझ रहे।
जन के मत को विस्मृत कर के,
पद का अधिकारी समझ रहे।
कुछ सीटों को पा कर नेता,
खुद को अवतारी समझ रहे।।

कर्नाटक में नये मुख्यमंत्री को लेकर मोदी का तंज; कहा:

कांग्रेस शासित राज्यों में लोग असंतुष्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत (गुजरात)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर अव्यवस्था और अनिश्चितता फैलाने का आरोप लगाया और कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदले जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पार्टी के शासन वाले राज्यों में लोग असंतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर जारी वैश्विक संकट ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित करता है और उन्होंने कांग्रेस पर ''आत्मनिर्भर भारत'' संकल्प का उपहास उड़ाने का आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री ने सूरत में आयोजित एक कार्यक्रम में, गुजरात में 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट, पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अपार क्षमता के महत्व को रेखांकित करता है।

प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का उपहास उड़ा रहे हैं। वे लगातार इस राष्ट्रीय संकल्प को नीचा दिखा रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने हमेशा भारत को अन्य देशों पर निर्भर रखा है।'' उन्होंने जोर देते हुए कहा, ''वे लोग यह समझ नहीं पा रहे हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को नहीं छू सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है।''

रुपया 81 पैसे के उछाल से 94.93 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। रुपया शुक्रवार को 81 पैसे के उछाल के साथ 94.93 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा प्रवाह मजबूत करने के लिए कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 94.89 के उच्च स्तर तक पहुंचा और अंततः 94.93 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 81 पैसे की मजबूती है। रुपया बृहस्पतिवार को दो पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था।

विश्व योगासन चैंपियनशिप

गुजरात के अहमदाबाद में शुक्रवार को आयोजित प्रथम विश्व योगासन चैंपियनशिप 2026 के दौरान एक योग खिलाड़ी अपने कौशल और लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए।

पर्यावरण संबंधी प्रशासनिक ढांचे को ध्वस्त कर रही है मोदी सरकार : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार में जंगलों को खत्म और पर्यावरण संबंधी प्रशासनिक ढांचे को ध्वस्त किया जा रहा है।

खरगे ने यह दावा भी किया कि भारत के वन क्षेत्र का लगातार क्षरण हो रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर्यावरणीय प्रगति का भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विश्व पर्यावरण दिवस हमारे जंगलों, नदियों, महासागरों, वायु के और अधिक क्षरण को रोकने का अवसर है।

प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक रूप से नागरिकों से भीषण गर्मी से बचने के लिए 'हाइड्रेटेड रहने'' जैसी प्रतीकात्मक बातें करके बढ़ती गर्मी से निपटने का आग्रह करते हैं, वहीं उनकी सरकार में भारत की पारिस्थितिकीय संपदा पर हाल के इतिहास के सबसे आक्रामक और बड़े हमले किए जा रहे हैं।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि आधिकारिक आंकड़ों और परियोजना मंजूरी से पता चलता है कि पिछले 11 वर्षों में लगभग 1,91,922 हेक्टेयर जंगल काट दिया गए हैं।

भारत-रूस रिश्तों में दखल वैश्विक स्थिरता के लिए नुकसानदायक, मोदी दबाव के आगे नहीं झुकते : पुतिन

सेंट पीटर्सबर्ग (रूस)/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत के साथ मॉस्को के समय की कसौटी पर खरे उतरे संबंधों की सराहना करते हुए आगाह किया कि भारत-रूस संबंधों को कमजोर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पश्चिमी देशों का दबाव वैश्विक स्थिरता के लिए नुकसानदायक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति ''अचानक नहीं हुई है'', बल्कि यह मोदी के नेतृत्व में किए गए कठिन परिश्रम का परिणाम है।

'पीटीआई' सहित दुनिया की प्रमुख समाचार एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बृहस्पतिवार रात को हुई बातचीत में पुतिन ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ अपने समग्र सहयोग को और विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है और दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 60 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की परिकल्पना कर रहा है।

पुतिन ने स्वच्छ ऊर्जा, औषधि और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को व्यापार व निवेश संबंधों की निरंतर प्रगति को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया।

पुतिन ने 'पीटीआई' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रधान संपादक विजय जोशी के एक सवाल पर कहा, ''भारत दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जिसने सबसे अधिक आर्थिक वृद्धि दर दिखाई है। यह अचानक नहीं हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार की कड़ी मेहनत का परिणाम है।''

वृक्षारोपण

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने लोगों से वृक्षारोपण करने और एक व्यापक उद्देश्य के लिए एकजुट होने का शुक्रवार को आह्वान किया। राधाकृष्णन ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत उपराष्ट्रपति भवन में पौधारोपण किया और लोगों से हरित भविष्य के लिए इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक नीतिगत लक्ष्य नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों में गहराई से निहित मूलभूत कर्तव्य हैं।

संघीय न्यायाधीश ने 39 देशों के लिए लागू ट्रंप की आव्रजन नीति रद्द की

बोस्टन/एपी। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की उस नीति को रद्द कर दिया, जिसकी वजह से 39 देशों के प्रवासियों के लिए देश में रहना और प्रवेश करना मुश्किल हो गया था। इस नीति को नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर हुई गोलीबारी की घटना के बाद लागू किया गया था। ट्रंप प्रशासन की कड़ी आलोचना करते हुए एक फैसले में, अमेरिकी जिला मुख्य न्यायाधीश जॉन मैककोनेल जूनियर ने कहा कि इस नीति ने ''अमेरिका में रहने वाले अनगिनत प्रवासियों के जीवन को अनिश्चित कानूनी भंवर में धकेल दिया है।'' उन्होंने अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं पर कानून की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए ई85 ईंधन पेश, पेट्रोल से 20 रुपए सस्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए तैयार उच्च-एथनॉल मिश्रण वाले ईंधन ई85 को सामान्य पेट्रोल की तुलना में 20 रुपये प्रति लीटर की छूट पर शुक्रवार को पेश किया। यह ईंधन शुरू में चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध होगा और इसका उपयोग केवल फ्लेक्स-फ्यूल इंजन से लैस वाहनों में ही किया जा सकता है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यहां इंडियन ऑयल के एक पेट्रोल पंप पर ई85 ईंधन का अनावरण किया। इस ईंधन की देशभर के 48 सार्वजनिक क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर की बिक्री की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना दिसंबर 2026 तक इसकी उपलब्धता को 500 पेट्रोल पंप तक और दिसंबर 2027 तक लगभग 5,000 पेट्रोल पंप तक विस्तारित करने की है।

ई85 ईंधन में 80-85 प्रतिशत एथनॉल और 14-19 प्रतिशत पेट्रोल होता है। हालांकि इसका इस्तेमाल केवल फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों में ही किया जा सकता है जो ई20 से लेकर ई100 तक विभिन्न मिश्रण वाले ईंधनों पर चलने में सक्षम होते हैं। इसमें उन्नत इंजन नियंत्रण इकाई (ईसीयू) लगी होती है, जो पेट्रोल में एथनॉल की अलग-अलग मात्रा के हिसाब से अपना अनुकूलन खुद कर सकती है।

पीएफआई के खिलाफ मामला:

एनआईए अदालत ने 26 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) के कई शीर्ष नेताओं के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया, और कहा कि मामले में भारत सरकार को उखाड़ फेंकने तथा 2047 तक इस्लामी खलीफा का शासन स्थापित करने की साजिश का ''गंभीर संदेह'' है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत 25 पीएफआई सदस्यों के साथ-साथ संगठन के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने कहा, ''यदि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री को समग्र रूप से देखा जाए, तो यह गंभीर संदेह पैदा करती है कि आरोपियों ने 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' और उसकी राष्ट्रीय कार्यकारी परिषद के माध्यम से और उनकी ओर से काम करते हुए, एक बड़ी साजिश को आगे बढ़ाने के लिए सहमति जताई और उस पर अमल किया-वह साजिश थी देश के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से वर्ष 2047 तक या उससे पहले भारत की धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंकना और भारत में शरिया कानून के तहत एक इस्लामी खलीफा स्थापित करना।''

बेंगलूरु-मुंबई इंडिगो विमान से पक्षी टकराया

मुंबई/भाषा। बेंगलूरु से मुंबई जाने वाले इंडिगो के एक विमान को शुक्रवार को रनवे पर ले जाते समय उससे एक पक्षी टकरा गया, जिसके बाद पायलट को विमान वापस पार्किंग क्षेत्र में ले जाना पड़ा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों इंजनों के निरीक्षण सहित आवश्यक जांच के बाद, एयरबस ए321नियो विमान को सुरक्षित घोषित कर दिया गया और एक घंटे से अधिक देरी के बाद उसने उड़ान भरी। विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है।

ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्वदेशी हथियारों के इस्तेमाल का हवाला देते हुए ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दिया।

सिंह ने कहा, पिछले साल पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में कायरतापूर्ण हमले के बाद हमारे तीनों सशस्त्र बलों ने संयुक्त रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया था। हमने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए सटीक हमले किए। हमने आतंकवादियों और उनके संरक्षक दोनों का सफाया कर दिया। उन्होंने कहा, हम इसे हासिल करने में सक्षम थे क्योंकि हमारा मनोबल ऊंचा था। हमारे पास स्वदेशी हथियार थे और हम अन्य देशों पर निर्भर नहीं थे। हमें ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में समान क्षमता (आत्मनिर्भरता) हासिल करनी होगी और मुझे विश्वास है कि हम इसे हासिल करेंगे।''

केंद्रीय मंत्री विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ में 'बाययुग' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संबंधी पहल केवल स्वच्छता के बारे में नहीं हैं, ऐसे प्रयासों से हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल भी बढ़ता है।

सिंह ने कहा, जब हमारे छावनी क्षेत्र साफ-सुथरे होते हैं, तो बीमारियां कम होती हैं, जिससे समृद्धि आती है और हमारे सैनिकों का मनोबल बढ़ता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बढ़े हुए मनोबल का एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज भारत में पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल मिलाया जा रहा है और ये एथनॉल गन्ने और फसलों से यहीं तैयार होता है। उन्होंने कहा, जब पश्चिम एशिया में संकट आया और तेल की कीमतें आसमान छू गईं, तो इससे वैश्विक उथल-पुथल मच गई। हालांकि, भारत उस झटके को अपेक्षाकृत अच्छी तरह से झेलने में सक्षम था क्योंकि हमने अपने ईंधन का 20 प्रतिशत एथनॉल घरेलू स्तर पर उत्पादित किया था।

रक्षामंत्री ने कहा कि जैव ईंधन न केवल पर्यावरण की रक्षा कर रहा है बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए एक शक्तिशाली उपकरण भी बन रहा है। उन्होंने कहा, हमें अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी चाहिए। हमें अपनी घरेलू क्षमता बनाने और स्वदेशी संसाधनों से जुड़ी आपूर्ति शृंखलाएं स्थापित करने की जरूरत है। हमें अपनी जमीन, किसानों, संसाधनों और वैज्ञानिक प्रतिभा से विकल्प तैयार करने होंगे जो संकट के समय भी हमारी अर्थव्यवस्था को जारी रखें।

सिंह ने कहा, हम अपने पर्यावरणीय दायित्वों को पूरा करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकते हैं। यही 'आत्मनिर्भरता' हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में मजबूत रखती है।

सिंह ने प्लास्टिक को एक आवश्यक बुराई बताते हुए कहा, प्लास्टिक एक आवश्यक बुराई है।

मुद्रास्फीति का लक्ष्य स्थगित नहीं किया, भविष्य में ब्याज दर में बदलाव कीमतों पर निर्भर : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि मुद्रास्फीति का चार प्रतिशत का मध्यम अवधि का लक्ष्य महत्वपूर्ण है और इससे हटले का कोई सवाल ही नहीं है।

मल्होत्रा ने संकेत दिया कि भविष्य में कोई भी मौद्रिक नीतिगत कार्रवाई इस बात पर निर्भर करेगी कि मूल्य वृद्धि व्यापक और लंबी अवधि के लिए रहती है या नहीं।

आरबीआई ने 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है जो पहले के 4.6 प्रतिशत से कही अधिक है। उन्होंने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति की तुलना में आर्थिक वृद्धि को प्राथमिकता दे रहा है। गवर्नर ने कहा, ''मुद्रास्फीति लक्ष्य अपरिवर्तित है।''

मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लक्ष्य से हटने का सवाल ही नहीं है। यह वह लक्ष्य है जो सरकार ने हमें दिया है। यह चार प्रतिशत ही है और इसे बनाये रखने का हमारा प्रयास जारी है।'' हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि मुद्रास्फीति लक्ष्य को मध्यम अवधि में प्राप्त किया जाना है, न कि हर छोटी अवधि में इसमें घटने-बढ़ने पर कदम उठाने की जरूरत है। इसका कारण अस्थायी झटकों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई से वृद्धि पर प्रतिकूल परिणाम हो सकते हैं।

मल्होत्रा ने स्वीकार किया कि मुद्रास्फीति की स्थिति पहले से अधिक प्रतिकूल हो गई है। हालांकि, उन्होंने किसी भी तरह की तत्काल सख्ती का कोई संकेत नहीं दिया।

यह पूछे जाने पर मुद्रास्फीति के अनुमान में वृद्धि को क्या अगली समीक्षा में नीतिगत दर में वृद्धि की संभावना के रूप में देखा जाना चाहिए, उन्होंने कहा, ''ऐसा मामला बनता है या नहीं, यह मैं नहीं कह सकता। लेकिन जाहिर है कि यह (मुद्रास्फीति) पहले से अधिक प्रतिकूल है।''

केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने तटस्थ रुख को कायम रखा है।''

मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक इस बात पर बारीकी से नजर रखेगा कि मुद्रास्फीति का दबाव अस्थायी रहता है या व्यापक और स्थायी होता है। उन्होंने कहा, ''यदि यह एक बार की वृद्धि है, तो आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं। लेकिन अगर यह व्यापक हो रहा है, स्थायी हो रहा है, तो निश्चित रूप से इसका मतलब है कि कार्रवाई करने का समय आ गया है।''

आरबीआई गवर्नर ने दोहराया कि केंद्रीय बैंक आंकड़ों पर निर्भर रहेगा और इस बात पर बारीकी से नजर रखेगा कि आपूर्ति आधारित मुद्रास्फीति के झटके कम होते हैं या स्थायी होते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए तेल की कीमतों का अपना अनुमान को संशोधित कर 95 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 85 डॉलर प्रति बैरल था। इस कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के अनुमान में वृद्धि की गयी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च तिमाही में 7.8 प्रतिशत, 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मजबूत घरेलू मांग और सरकारी खर्च के कारण अनुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। हालांकि, इस अवधि के अंत में बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों और आपूर्ति शृंखला में बाधाओं ने आर्थिक परिदृश्य पर दबाव बनाना शुरू कर दिया।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। पिछले वर्ष की समान तिमाही में जीडीपी वृद्धि 7% रही थी जबकि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में यह 8% थी। वित्त वर्ष 2025-26 की समूची अवधि में देश की आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 7.7% हो गई, जो 2024-25 में 7.1% रही थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.9% बढ़ा, जो यह दर्शाता है कि वृद्धि केवल मांग पर आधारित नहीं थी, बल्कि उत्पादन में मजबूती भी रही। विनिर्माण, निर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन ने अर्थव्यवस्था को सहारा दिया। हालांकि, इस तिमाही के अंतिम महीने मार्च में ही पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष का असर नजर आया। लेकिन यह तनाव जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल और आपूर्ति में पैदा हुए गतिरोध का असर आने वाले समय में देखने को मिलेगा। इस परिदृश्य में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.9% से घटाकर 6.6% कर दिया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने इस पर कहा कि यदि वैश्विक परिस्थितियां बेहतर होती हैं तो वित्त वर्ष 2027-28 में भारत की वृद्धि दर फिर से सात प्रतिशत से ऊपर जा सकती है। उन्होंने कहा कि नीतिगत उपायों और आपूर्ति सुनिश्चित करने से अर्थव्यवस्था दोबारा तेज वृद्धि के रास्ते पर लौट सकती है। एनएसओ ने कहा कि स्थिर कीमतों पर जीडीपी का आकार वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 323.12 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के पहले संशोधित अनुमान 299.89 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। वहीं, मौजूदा कीमतों पर जीडीपी का आकार 2025-26 में 346.36 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो 2024-25 के 318.07 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 8.9% की वृद्धि को दर्शाता है। यह 2022-23 को आधार वर्ष मानकर तैयार की गई नई शृंखला के तहत जारी जीडीपी आंकड़ों का दूसरा समूह है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन आंकड़ों पर कहा कि सरकार वैश्विक चुनौतियों के बीच आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए सुधारों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है। एनएसओ के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में द्वितीयक (विनिर्माण, निर्माण) और तृतीयक (सेवाएं) क्षेत्रों ने क्रमशः 8.8% व 9.3% की वृद्धि दर्ज कर अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को मजबूती दी।

गुवाहाटी और यशवंतपुर के बीच स्पेशल ट्रेन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे की विज्ञप्ति के अनुसार यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने गुवाहाटी और यशवंतपुर के बीच एक ट्रिप वाली स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ट्रेन नंबर 05642 गुवाहाटी-यशवंतपुर स्पेशल शनिवार 6 जून को सुबह 07:20 बजे गुवाहाटी से रवाना होगी और सोमवार 8 जून को दोपहर 13:30 बजे यशवंतपुर पहुँचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 05641 यशवंतपुर - गुवाहाटी स्पेशल सोमवार, 8 जून रात 23:15 बजे यशवंतपुर से रवाना होगी और गुरुवार 11 जून को सुबह 11:15 बजे गुवाहाटी पहुँचेगी। रास्ते में, यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कामाख्या, रंगिया, बारपेटा रोड, न्यू बोंगईगाँव, कोकराझार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, बारसोई जंक्शन, मालदा टाउन, रामपुर हाट, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्धमान जंक्शन, डंकुनी, अंडुल, खड़गपुर जंक्शन, बालासोर, भद्रक, जाजपुर क्योंझर रोड, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड जंक्शन, बेरहामपुर, पलासा, श्रीकाकुलम रोड, विजयनगरम जंक्शन, सिम्हाचलम नॉर्थ, दुव्वाडा, राजमुंदरी, विजयवाड़ा जंक्शन, गुंटूर जंक्शन, नरसाराओपेट, मरकापुर रोड, नंदीयाल, धोणे जंक्शन, गुत्ती जंक्शन, धर्मावरम जंक्शन, हिंदूपुर और यलहंका स्टेशनों पर रुकेगी।

मंत्री खादर ने सरकारी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री यू टी खादर ने पदभार ग्रहण करने के कुछ ही घंटों बाद स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने के लिए शहर के एक सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। बृहस्पतिवार देर रात निरीक्षण के दौरान, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री खादर ने कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की, अस्पताल के अधिकारियों से बातचीत की और रोगी देखभाल सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने एक गर्भवती महिला को फर्श पर बैठे देखकर नाराजगी जतायी और ड्यूटी से अनुपस्थित अधिकारियों को बुलाकर उन्हें कड़ी चेतावनी दी। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह औचक दौरा अस्पताल की जमीनी हकीकत का जायजा लेने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने कहा, हम लगातार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि व्यवस्था को और बेहतर कैसे बनाया जाए और सेवाओं को अधिक से अधिक लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए। हमारा इरादा किसी को परेशान करने का नहीं है। हम सभी का विश्वास जीतना चाहते हैं, उनकी चिंताओं को समझना चाहते हैं और समाधान करना चाहते हैं। मंत्री ने कहा कि हालांकि दौरे के दौरान कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन उन्होंने पाया कि कुछ डॉक्टर अनुपस्थित थे। खादर ने कहा, चूंकि यह पहली घटना थी, इसलिए अनुपस्थित कर्मियों को बुलाकर उनकी अनुपस्थिति के कारणों के आधार पर चेतावनी जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी घटनाएं दोबारा हुईं तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर : बेंगलूरु शहरी क्षेत्र में मैपिंग का 72 प्रतिशत कार्य पूरा

बेंगलूरु। जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य आयुक्त महेश्वर राव ने बताया है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं और बेंगलूरु शहर भर में मतदाताओं की 'मैपिंग' का 72 प्रतिशत कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शेष मैपिंग (मिलान) कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। राव के मुताबिक, बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे इस कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उन्होंने एक बयान में कहा कि मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले एकत्रित आंकड़ों का सत्यापन और मिलान किया जाएगा। राव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने से वंचित न रहे और मतदाता सूची में कोई भी अपात्र नाम न रह जाए।

कर्नाटक सरकार ने छात्रों के लिए मुफ्त बस पास योजना को लागू करने का आदेश दिया

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने शुक्रवार को सभी छात्रों के लिए मुफ्त बस पास योजना को लागू करने का आदेश जारी कर दिया। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में इसकी घोषणा की थी। कैबिनेट ने बुधवार को राज्य भर के स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले सभी छात्रों को मुफ्त बस पास की सुविधा देने का फैसला किया था। एक बयान में कहा गया, सरकार ने राज्य के चार परिवहन निगमों द्वारा संचालित बसों में यात्रा करने वाले सभी स्कूल और कॉलेज के छात्रों को मुफ्त बस पास की सुविधा देने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

समुद्री खाद्य क्षेत्र में भारत के पास बहुत मौके : आंध्र मुख्यमंत्री नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक समुद्री खाद्य कारोबार में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत है, जबकि इस क्षेत्र में देश के पास बहुत ज्यादा मौके हैं।

विशाखापत्तनम में समुद्री खाद्य निर्यात पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश की 'ब्लू इकॉनमी' (समुद्री अर्थव्यवस्था) का विकास देश की तरक्की में अहम योगदान देगा। ब्लू इकॉनमी का मकसद समुद्री पारिस्थिकी तंत्र की सुरक्षा करते हुए आर्थिक विकास के लिए समुद्र और तटीय संसाधनों का टिकाऊ इस्तेमाल करना है। नायडू ने कहा, ''वैश्विक समुद्री खाद्य कारोबार में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ पांच प्रतिशत है। इस क्षेत्र में देश के पास बहुत ज्यादा मौके हैं।'' मुख्यमंत्री के मुताबिक, भारत के कुल मछली उत्पादन में आंध्र की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत और झींगा उत्पादन में 66 प्रतिशत है, जबकि देश की समुद्री खाद्य निर्यात से होने वाली कमाई में राज्य का योगदान 38 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि आंध्र से सालाना लगभग 28,000 करोड़ रुपए का समुद्री खाद्य निर्यात होता है। नायडू ने कहा कि अगर आंध्र प्रदेश इस क्षेत्र में और तरक्की करता है, तो भारत का समुद्री खाद्य निर्यात भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा, बंदरगाह और हवाई अड्डा एक बड़ा फायदा देते हैं।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में उत्पादों की सफलता के लिए गुणवत्ता, टिकाऊपन, उद्गम स्थल (उत्पाद की उत्पत्ति स्थल की जानकारी का पता लगाना), नवाचार और प्रदूषण मुक्त होना जरूरी हैं। उन्होंने केंद्र से 'एक्वाकल्चर' उत्पादों को और विकसित करने के लिए कदम उठाने का भी आग्रह किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण जुलाई मध्य तक हो सकता है लागू : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत एवं अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से जुड़े सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अगले महीने के मध्य तक इस समझौते का पहला चरण लागू हो जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी दल दो से चार जून तक नई दिल्ली में था और उन्होंने भारतीय दल के साथ संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

गोयल ने कहा, ''मेरी भी उनसे मुलाकात हुई थी और हम सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि अगले महीने के मध्य तक हम समझौते के पहले चरण को बहुत अच्छे तरीके से लागू करने की स्थिति में होंगे।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह हमारे द्विपक्षीय व्यापार समझौते का सिर्फ पहला चरण है, जिससे हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को तरजीही पहुंच मिलेगी।'' वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इस महीने के आखिर में एक उच्च-स्तरीय दल के भारत आने की उम्मीद है। संभावना है कि इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर कर सकते हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में इस सप्ताह हुई वार्ता के दौरान दोनों देशों के व्यापार दलों ने वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क और कारोबार सुगमता, आर्थिक सुरक्षा समन्वय तथा पारस्परिक हित के अन्य मुद्दों पर रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा की। अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच ने किया जबकि भारतीय पक्ष की अगुवाई वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव वार्ताकार दर्पण जैन ने की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की रूपरेखा को अंतिम रूप दे चुके हैं और अब अंतरिम व्यापार समझौते एवं व्यापक बीटीए की दिशा में काम कर रहे हैं।

सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' को बढ़ाने, आर्थिक गति बनाये रखने के लिए प्रतिबद्धः सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सरकार वैश्विक चुनौतियों के बीच सकारात्मक आर्थिक गति बनाये रखने के लिए निर्णायक नीतिगत उपायों के साथ 'सुधार एक्सप्रेस' को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार वैश्विक चुनौतियों के बीच सकारात्मक आर्थिक गति सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक नीतिगत उपायों के साथ 'सुधार एक्सप्रेस' को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।'' इससे पहले, भारतीय रिजर्व बैंक ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि अनुमान को 6.9% से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण निरंतर आपूर्ति समस्याओं से आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

निकोबार परियोजना सामरिक नहीं, मकसद एक कारोबारी को फायदा पहुंचाना : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना का रक्षा और सामरिक क्षेत्र से संबंध नहीं है, बल्कि यह एक उद्योगपति को होटल तथा 'कैसीनो' बनाने में मदद करने का प्रयास है।

राहुल गांधी ने इसी साल अप्रैल के अंत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा किया था। उन्होंने बृहस्पतिवार को अपनी उस यात्रा पर आधारित 16 मिनट से अधिक का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने लोगों से मोदी सरकार को यह बताने के लिए एक ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया कि ''हम 'ग्रीड' (लालच) के बजाय 'ग्रीन' (हरित क्षेत्र) को चुनते हैं।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, मैंने भारत के सबसे दक्षिणी सिरे का दौरा किया। मैं इंदिरा प्वाइंट पर गया था। मैं सदियों से खड़े पेड़ों के नीचे गया। मैंने पृथ्वी पर सबसे जीवंत मूंगा चट्टानों वाले क्षेत्र में गोता लगाया। मैंने वहां रहने वाले लोगों के साथ मुलाकात की। ये वो आदिवासी समुदाय हैं जिनकी भूमि वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करके छीन ली जा रही है। उनका कहना है कि भारत सरकार द्वारा इन द्वीपों पर बसे लोगों को उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, मोदी सरकार और भाजपा आपको बताती है कि ग्रेट निकोबार परियोजना रक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, ''यदि आईएनएस बाज का विस्तार किया जाएगा तो हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। राहुल गांधी ने दावा किया कि नौसेना पांच साल से विस्तार की मांग कर रही है, लेकिन इस मांग को नजरअंदाज कर दिया गया है। सरकार लोगों को यह भी बता रही है कि यह परियोजना मालवाहक बंदरगाह से जुड़ी है, जबकि ऐसा नहीं है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682 अरब डॉलर परः आरबीआई

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 मई को समाप्त सप्ताह में 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682.32 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले यह भंडार 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया था। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपए के दबाव में आने से इस भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट दर्ज की गई। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 29 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.12 अरब डॉलर बढ़कर 546.15 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त ये विदेशी मुद्रा आस्तियां यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं के मूल्य परिवर्तन के प्रभाव को भी शामिल करती हैं। आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में देश का स्वर्ण भंडार 2.18 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 112.6 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 18.75 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रहे, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.82 अरब डॉलर हो गई।

'जम्मू-कश्मीर में मौजूद, विदेशों में छिपे मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल का सफाया किया जाएगा'

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि मादक पदार्थ-आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों को भारी कीमत चुकानी होगी, चाहे वे पड़ोसी देशों में बैठे हों या केंद्र शासित प्रदेश के अंदर काम कर रहे हों। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे आतंकियों के दिन गिने-चुने बचे हैं। सिन्हा ने गांदरबल जिले में 'नशा-मुक्त जम्मू कश्मीर' रैली का नेतृत्व करते हुए एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा, ''कश्मीर घाटी के हर जिले का दौरा करने और (मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत) हर मार्च में शामिल होने के बाद, मैं कह सकता हूं कि मादक पदार्थ-आतंक मॉड्यूल के खिलाफ एक ऐतिहासिक आंदोलन उभर कर सामने आया है।'' उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी कोई मामूली मुद्दा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और समाज के लिए एक गंभीर खतरा है। सिन्हा ने कहा, ''नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आतंकी, चाहे वे पड़ोसी देशों में बैठे हों या जम्मू-कश्मीर के भीतर से काम कर रहे हों, हमारे लोगों के दुश्मन हैं। वे हमारे बच्चों के दुश्मन हैं। वे प्रगति के दुश्मन हैं।''

अगले वित्त वर्ष में फिर से सात प्रतिशत की दर से बढ़ सकता है भारतः सीईए नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि वृहद आर्थिक स्थिरता एवं आपूर्ति संबंधी उपायों से भारत वित्त वर्ष 2027-28 में फिर से सात प्रतिशत की वृद्धि दर की राह पर लौट सकता है लेकिन यह बाहरी परिस्थितियों में सुधार पर निर्भर करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान अप्रैल में लगाए गए 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया। इसके पीछे ऊर्जा और अन्य जिंसों की ऊंची कीमतों के साथ पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण जारी आपूर्ति बाधाओं को वजह बताया गया।

नागेश्वरन ने कहा कि आर्थिक वृद्धि के संबंध में आरबीआई के अनुमानों पर इस समय सवाल उठाने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि दिए गए आंकड़ों में ऊपर और नीचे दोनों दिशाओं में संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, यदि वृद्धि दर आरबीआई के अनुमान के अनुरूप सात प्रतिशत से नीचे भी जाती है, तो वृहद आर्थिक स्थिरता के उपाय और आपूर्ति संबंधी कदम हमें वित्त वर्ष 2027-28 में फिर से या बाहरी परिस्थितियों में जैसे ही सुधार हो, सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर की राह पर ला सकते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि ये अनुमान इस धारणा पर आधारित हैं कि अमेरिका-ईरान संघर्ष से पहले की स्थिति वित्त वर्ष 2027-28 से पहले बहाल हो जाएगी।

नागेश्वरन ने कहा कि यदि वर्तमान परिस्थितियां बनी रहती हैं, तो अगले वित्त वर्ष के अनुमानों की फिर से समीक्षा की जाएगी।

बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह उचित अनुमान होगा कि यह बजट 2027 में अनुमानित 10.1 प्रतिशत से अधिक रहेगी, क्योंकि खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि का रुझान देखा जा रहा है।

नागेश्वरन ने कहा, अच्छी खबर यह है कि बाजार मूल्य पर जीडीपी वृद्धि बजट के अनुमान 10.1 प्रतिशत से काफी अधिक रहने की संभावना है।

सीईए ने कहा कि व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ा है और 2025-27 में भी इसके और बढ़ने की संभावना है, जिससे चालू खाते पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में उभरता हुआ संकट न केवल आपूर्ति पक्ष पर एक बड़ा झटका है, बल्कि यह मांग पक्ष पर भी संभावित कमी का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि थोक मुद्रास्फीति में आपूर्ति पक्ष से मूल्य दबाव उभरने लगे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत मौसम-विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा मानसून वर्षा के दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 90 प्रतिशत रहने के अनुमान से मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण पर ऊपर की ओर जोखिम पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का वस्तु व्यापार और कुल व्यापार घाटा बढ़ गया है।

सीईए ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में भी इसी तरह का रुझान, संभवतः और अधिक घाटे के साथ, देखने को मिल सकता है। ऐसा होने से चालू खाते पर और दबाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सफल व्यापार समझौतों, खासकर भारत-अमेरिका और भारत-यूरोपीय संघ व्यापार में प्रगति से उत्पन्न नीतिगत स्पष्टता निर्यात और पूंजी प्रवाह को समर्थन देने की उम्मीद है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता पूंजी प्रवाह की स्थिति पर लगातार दबाव बनाए हुए है।

'टाटा मोटर्स का वैश्विक विस्तार पर जोर, शीर्ष चार वाणिज्यिक वाहन कंपनी बनने का लक्ष्य'

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी अगले पांच वर्षों में वैश्विक विस्तार पर ध्यान देगी और उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व हासिल करने के साथ अपने मजबूत खंड में शीर्ष स्थान बनाए रखेगी। चंद्रशेखरन ने गोवा में आयोजित 'कमर्शियल व्हीकल (सीवी) डीलर बिजनेस प्लानिंग मीट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स मजबूत मात्रा वृद्धि के दम पर अगले तीन-चार वर्षों में विभिन्न वाणिज्यिक वाहन खंड में अपनी नेतृत्व स्थिति और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा समूह का वाहन कारोबार अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन चुका है और अकेले यह खंड ही करीब 80 अरब डॉलर का राजस्व हासिल करने की ओर अग्रसर है।

अन्नामलाई ने भाजपा छोड़ी, नई पार्टी बनाने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। अपनी आक्रामक राजनीतिक शैली के कारण लोकप्रियता हासिल करने वाले और द्रविड़ दलों को सीधे चुनौती देने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। अन्नामलाई ने कहा कि उनके लक्ष्य बड़े हैं और नये समावेशी एजेंडे के तहत अधिक लोगों को साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने घोषणा की कि वह नया राजनीतिक दल बनाएंगे और तमिलनाडु में अगला चुनाव लड़ेंगे। अन्नामलाई ने सोशल मीडिया के जरिए कहा, ''मेरे मन में प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत सम्मान है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्होंने गरिमापूर्ण तरीके से भाजपा छोड़ी है। उन्होंने नयी तरह की राजनीति की शुरुआत करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

अन्नामलाई ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा उनका इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बाद कहा, ''आज से एक नया रास्ता, एक नया आंदोलन, एक नयी मुहिम शुरु होगी।'' ऐसा बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने दिल्ली की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अपना इस्तीफा सौंपा था। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया गया इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।'' अन्नामलाई के समर्थकों ने पटाखे जलाकर और मिठाइयां बांटकर उनके फैसले का स्वागत किया। वहीं, भाजपा ने कहा कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा।

अन्नामलाई ने कहा कि जिस नये आंदोलन की शुरुआत करने का उन्होंने प्रस्ताव रखा है, उसमें बुनियादी स्तर से ही नये आयाम और नया नजरिया होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें नयी पार्टी के लिए नेताओं और कार्यकर्ताओं को तैयार करना होगा। इसमें समय लगेगा।'' अन्नामलाई ने भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने तमिलनाडु की पहचान, संस्कृति और जल अधिकारों सहित किसी भी अधिकार से कभी समझौता नहीं किया। भाजपा के राज्य में पूर्व शीर्ष नेता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पार्टी अचानक नहीं छोड़ी और करीब 18 महीने तक पार्टी नेतृत्व के साथ मतभेदों पर शांतिपूर्वक चर्चा की।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अंततः चार दिसंबर 2025 को ही भाजपा नेतृत्व को बता दिया कि वह पार्टी छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उनसे विधानसभा

चुनाव से जुड़ा काम पूरा करने को कहा था और ''एक सच्चे कार्यकर्ता'' के रूप में उन्होंने उस निर्देश का पालन किया।

उन्होंने ''समावेशी राजनीति'' की वकालत करते हुए कहा कि तमिलनाडु के विकास के लिए सभी का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें किसी एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति से बाहर निकलकर आम आदमी की राजनीति स्थापित करनी होगी।''

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अन्नामलाई अपनी आक्रामक राजनीतिक शैली के कारण बेहद लोकप्रिय हुए। उन्होंने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर लगातार निशाना साधा और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए 'द्रमुक फाइल्स' भी जारी कीं। जब अन्नामलाई ने 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) की दिवंगत प्रमुख जे. जयललिता पर उनकी दोषसिद्धि को लेकर कथित तौर पर निशाना साधा था तो अन्नाद्रमुक ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे अस्वीकार्य टिप्पणी बताया था। उन्होंने द्रविड़ नेता सी. एन. अन्नादुरै पर 1956 में मदुरै में एक कार्यक्रम में हिंदू धर्म का अपमान करने का आरोप लगाकर भी विवाद खड़ा किया था।

अन्नाद्रमुक ने आखिरकार लोकसभा चुनावों से पहले सितंबर 2023 में भाजपा से संबंध तोड़ लिए थे। जब अन्नाद्रमुक और भाजपा ने फिर गठबंधन किया तो अन्नामलाई की जगह नैनार नागेंद्रन को अप्रैल 2025 में भाजपा की तमिलनाडु इकाई का अध्यक्ष बनाया गया। नागेंद्रन ने अन्नामलाई के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां संवाददाताओं से कहा, ''उनके (अन्नामलाई के) इस्तीफे से भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा को कोई झटका नहीं लगेगा। पार्टी अपनी विचारधारा पर दृढ़ रहेगी।'' अन्नामलाई के अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने के फैसले पर नागेंद्रन ने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को राजनीतिक दल बनाने की स्वतंत्रता है। इस बीच, मरुमलारची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के नेता दुरई वाइको ने भाजपा छोड़ने और अपनी पार्टी बनाने के अन्नामलाई के फैसले का स्वागत किया। दुरई ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं अपने भाई अन्नामलाई की सफलता की कामना करता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह द्रविड़ विचारधारा के अनुरूप आगे बढ़ेंगे।'' द्रमुक नेता एम. एम. अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि अन्नामलाई भाजपा की बी-टीम' नहीं, बल्कि उसकी ''प्रत्यक्ष टीम'' होंगे। भाजपा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कई कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर कहा कि चुनावी जीत या हार से परे भाजपा का विचारधारा आधारित काम जारी रहेगा और पार्टी किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर नहीं है। अन्नामलाई इस्तीफे की संभावना और नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों के बीच पार्टी नेतृत्व से मुलाकात के लिए दिल्ली आए थे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मंगलवार को मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा की थी। ऐसा बताया जा रहा है कि नैनार नागेंद्रन को उनकी जगह भाजपा की तमिलनाडु इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने और राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी के तहत अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के साथ चुनावी गठबंधन फिर से बहाल किए जाने के बाद से अन्नामलाई नाराज थे।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शुक्रवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया जिसे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने स्वीकार कर लिया। ऐसा बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने हाल में दिल्ली यात्रा के दौरान अपना इस्तीफा सौंपा था। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से दिया गया इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

अन्नामलाई इस्तीफे की संभावना और नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों के बीच पार्टी नेतृत्व से मुलाकात के लिए दिल्ली आए थे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मंगलवार को मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा की थी। ऐसा बताया जा रहा है कि नैनार नागेंद्रन को उनकी जगह भाजपा की तमिलनाडु इकाई का अध्यक्ष पद नियुक्त किए जाने और राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों की तैयारी के तहत अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के साथ चुनावी गठबंधन फिर से बहाल किए जाने के बाद से अन्नामलाई नाराज थे। अन्नामलाई ने बृहस्पतिवार को घोषणा की थी कि वह पांच जून को यानी आज सोशल मीडिया पर बातचीत के दौरान अपने विचार साझा करेंगे।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी में वृक्षारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के मौके पर, शुक्रवार को टोंडियारपेट के बाबू जगजीवन राम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (श्री बाबूजी स्टेडियम) में पर्यावरण को बचाने की एक बड़ी पहल शुरू की गई।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरपर्सन और डिप्टी चेयरपर्सन की अगुवाई में शुरू किया गया यह अभियान, देशव्यापी 'एक पेड़ माँ के नाम' मुहिम का एक अहम हिस्सा है। इस अभियान के तहत लगाया गया हर पौधा प्रतिभागियों की माताओं के सम्मान में लगाया गया, जिससे पर्यावरण के लिए किए जा रहे काम के साथ-साथ माताओं के प्रति एक बेहद निजी सम्मान भी जुड़ा। इस पहल का मकसद घने और स्थानीय पेड़-पौधे लगाकर शहरी इलाकों में गर्मी बढ़ने की समस्या (अर्बन हीट आइलैंड) से निपटना और उत्तरी चेन्नई के स्थानीय मौसम को बेहतर बनाना है। चेन्नई पोर्ट विभाग के प्रमुखों ने स्टेडियम परिसर में 1500 स्थानीय पौधे लगाने की शुरुआत की। पौधों को पास-पास लगाने की इस तकनीक से वे तेज़ी से बढ़ते हैं, जिससे अगले दो से तीन सालों में यह इलाका खुद से फलने-फूलने वाले, कई परतों वाले शहरी जंगल में बदल जाएगा।

'धरती ऐसी अमानत, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना है'

एमआरसी ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

चेन्नई। भारतीय सेना के मद्रास रेजिमेंटल सेंटर (एमआरसी), वेलिंगटन ने 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' थीम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस अवसर पर 1,500 पौधे लगाए गए।

इस कार्यक्रम में सैनिकों, उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने पौधों की देखभाल करने तथा पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार आदतें अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने का संकल्प भी लिया गया। पर्यावरण की देखभाल के संबंध में अगली पीढ़ी को जागरूक करने के लिए, एमआरसी ने एक अहम पहल के तहत स्थानीय स्कूलों के साथ मिलकर काम किया। छात्रों को प्रकृति का सक्रिय संरक्षक बनने और नीलगिरि के इकोसिस्टम की सुरक्षा में भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एमआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर कृष्णेंदु दास ने बताया कि नीलगिरि में बहुत ज़्यादा बारिश, भू-स्खलन और मिट्टी के कटाव की बढ़तीं घटनाओं से जलवायु परिवर्तन का असर साफ़ दिखाई देता है। इस पर मिलकर कदम उठाने की ज़रूरत है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि धरती कोई ऐसी विरासत नहीं है जिसे मौजूदा पीढ़ी पूरी तरह इस्तेमाल कर ले, बल्कि यह एक ऐसी अमानत है जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाकर रखना है।

'विजय की कैबिनेट की पहली बैठक में 436 परियोजनाओं का खाका जारी किया गया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली कैबिनेट की शुक्रवार को हुई पहली बैठक में विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़ी 436 लक्षित परियोजनाओं का व्यापक खाका पेश किया गया। राज्य के विद्युत मंत्री सीटीआर निर्मल कुमार ने यह जानकारी दी। कुमार ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने हर विभाग के लिए विशिष्ट और दीर्घकालिक लक्ष्य तय किए हैं तथा कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने पर जोर दिया है। कुमार ने कहा, ''मुख्यमंत्री विजय ने आज अपनी पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की और सभी विभागों के लिए स्पष्ट एवं दूरदर्शी दिशा तय की। इस प्रशासन के कामकाज की दिशा तय करने के लिए कुल 436 विशिष्ट परियोजनाओं और लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार की गई है।'' मंत्री ने कहा कि विभागीय योजनाओं में तमिलगा वेत्री कषगम के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को मुख्य रूप से शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा, ''संबंधित मंत्री और प्रत्येक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इन योजनाओं का विस्तृत आकलन करेंगे, उन्हें लागू करने की रणनीति तैयार करेंगे और इनके प्रभावी क्रियान्वयन की समयसीमा तय करेंगे। अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुति दी जाएगी।'' मंत्री के अनुसार, कैबिनेट बैठक में विकास को गति देने और युवाओं एवं महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने को प्राथमिकता दी गई।

उन्होंने बताया कि बैठक में किसानों के लिए मजबूत कल्याणकारी योजना बनाने, औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देने और सार्वजनिक सेवा के सभी स्तरों पर पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। कुमार ने कहा कि ''नशा मुक्त तमिलनाडु'' बनाना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) की 117 शराब दुकानों को बंद करने का आदेश देकर पहले ही निर्णायक कदम उठाया है। कुमार ने कहा, ''हम इस बात से पूरी तरह अवगत हैं कि पिछले कुछ वर्षों में मादक पदार्थों, गांजा और गुटखा जैसे प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों का प्रसार बढ़ा है, जिससे स्कूली छात्र भी प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस और संबंधित विभागों को अवैध मादक पदार्थ नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के कड़े निर्देश दिए हैं।'' रोजाना व्यापक छापेमारी की जा रही है और केवल मदुरै में ही एक सप्ताह के भीतर 24 से अधिक दुकानों को सील किया गया। प्रस्तावित परंदूर हवाई अड्डा परियोजना और अन्य औद्योगिक परियोजनाओं पर सरकार के रुख के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि सरकार उचित समय पर विस्तृत नीतिगत घोषणाएं करेगी। विजय ने सत्ता में आने से पहले परंदूर हवाई अड्डा परियोजना के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

कारू नागराजन अन्नामलाई के नए राजनीतिक आंदोलन से जुड़ेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के उपाध्यक्ष कारू नागराजन ने शुक्रवार को कहा कि वह पार्टी छोड़कर के अन्नामलाई का समर्थन करेंगे, जिन्होंने अपना खुद का राजनीतिक आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है।

नागराजन ने कहा कि उन्होंने

अपने समर्थकों के साथ भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने और अन्नामलाई के नए राजनीतिक आंदोलन में उनका समर्थन करने

का फैसला किया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मैं किसी भी नेता को दोष देना नहीं चाहता... हमने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है, जो एक ऊर्जावान और साहसी नेता हैं।''

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि वह आम आदमी की राजनीति करने के उद्देश्य से एक नई राजनीतिक यात्रा शुरू कर रहे हैं, जो पारंपरिक व्यक्ति-प्रधान राजनीति से दूर होगी और चाटुकारिता और वंशानुगत सत्ता को खारिज करेगी। उन्होंने कहा कि यह नाम के बारे में नहीं, बल्कि एक विचार के बारे में होगा। पूर्व आईपीएस अधिकारी ने सोशल मीडिया पर अपने संबोधन में उनके राजनीतिक दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा, आइए हम खुद को बदलें, और बदलाव स्वाभाविक रूप से होगा... आंदोलन का मूल सिद्धांत है कि खुद को बदलें और बदलाव लाएं (मारुवोम, मातृवोम)।

चेन्नई डिवीजन ने 800 से अधिक पौधे लगाए और 16 टन प्लास्टिक कचरा हटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के उपलक्ष्य में, दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने शुक्रवाक्षरको तीन सप्ताह तक चलने वाले पर्यावरण अभियान का समापन किया, जिसमें वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन और जन जागरूकता में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गईं, और टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल रेलवे संचालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण पूरे मंडल में 800 से अधिक पौधों का रोपण था, जिसमें जोलारपेट्टई रेलवे कॉलोनी में एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान भी शामिल था, जहां 5 जून को चेन्नई मंडल के अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक डॉ. आई. सेंथिल कुमार, आईआरटीएस के नेतृत्व में 500 से अधिक पौधे लगाए गए। रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इसी दौरान, पुरची थलाइवर डॉ. एमजी रामचंद्रन

सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (समन्वय) ए. मोहम्मद शमीम और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सेंथिल कुमार ने रेलवे कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों, हाउसकीपिंग स्टाफ और यात्रियों को पर्यावरण की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पौध रोपण और यात्रियों को पर्यावरण के अनुकूल जूट के थैले वितरित करना भी शामिल था, ताकि सतत प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा सके।

भारतीय रिज़र्व बैंक

विदेशी मुद्रा विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, फोर्ट ग्लासिस,16,
राजाजी सालै, चेन्नै – 600 001

विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 की धारा 10(3) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस रद्द कर दिया है क्योंकि उन्होंने मौजूदा फेमा उपबंधों और उसके तहत जारी निदेशों का उल्लंघन किया था:

क्र.सं	नाम और पंजीकृत कार्यालय का पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	रद्दीकरण आदेश की तारीख
1.	डोलेक्स मनी चेंजर्स प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नं. 112,113 दरवाजा नं. 12/432-बी, 4वीं स्ट्रीट, सुंदर एवेन्यू, सिकारायापुरम, चेन्नै - 600128	0202-2023	10 अक्टूबर, 2023	16 मार्च, 2026
2	यूनिवर्सल एलीट फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड पुराना नंबर 16, नया नंबर 52, इलांगो सलाई, तेनाम्पेट, चेन्नै - 600 018	0613-2025	29 सितंबर, 2025	16 मार्च, 2026
3	एजीपी फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड पहली मंजिल, दुकान सं. 3, दरवाजा नंबर 64, जेरेमियाह रोड, वेपेरी, चेन्नै -600 007	0573-2024	06 दिसंबर, 2024	30 मार्च, 2026
4	के.वी.पी. सनशाइन फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड दरवाजा नंबर 129, दुकान नंबर 15, ग्राउंड फ्लोर, प्लाजा सेंटर, जी.एन. चेट्टी रोड, त्यागराया नगर, चेन्नै -600 017	0438-2023	29 नवंबर, 2024	30 मार्च, 2026
5	फ्यूचर गेन्स फॉरेक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड दरवाजा नंबर. 1, पेरुमल कोइल स्ट्रीट, अरुम्बक्कम, चेन्नै -600 106	0224-2023	27 दिसंबर, 2023	30 मार्च, 2026
6	पीकॉक फॉरेक्स प्राइवेट लिमिटेड दुकान नंबर 21 और 23, ग्राउंड फ्लोर, रेनबो आर्केड (नागेश थिएटर के पास), सर त्यागराया रोड, पॉन्डी बाजार, टी.नगर, चेन्नै - 600 017	0024-2023	09 मई, 2023	30 मार्च, 2026
7	साना ट्रैवल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जी-100-ए, ग्राउंड फ्लोर, स्पेंसर प्लाजा, फेज II, 769, अन्ना सलाई, चेन्नै – 600 002	0152-2023	02 दिसंबर, 2022	30 मार्च, 2026

उपर्युक्त रद्दीकरण के परिणामस्वरूप, उक्त एफएफएमसी मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों से संबंधित 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो कि आरबीआई की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, में यथा-विनिर्दिष्ट मुद्रा परिर्वन गतिविधियां या लेनदेन नहीं करेंगी।

ह/-
श्री राकेश श्रीवास्तव
मुख्य महाप्रबंधक

स्थान: चेन्नै
दिनांक: 05 जून 2026

तमिलनाडु विधानसभा का सत्र 18 को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होगा : विस अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष जे सी डी प्रभाकर ने शुक्रवार को घोषणा की कि विधानसभा का सत्र 18 जून को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होगा।

जब उनसे संवाददाताओं ने सत्र की अवधि एवं अन्य संबंधित विषयों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, ''(इस संबंध में) जब भी कार्य मंत्रणा समिति की बैठक होगी, तब आपको सारी जानकारी दे दी जायेगी।'' जब संवाददाताओं ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान से संबंधित प्रोटोकॉल या राज्यपाल से कोई विशेष अनुरोध प्राप्त होने के बारे में सवाल किया, तो अध्यक्ष ने कहा, ''जब राज्यपाल अभिभाषण देंगे, तब आप स्वयं देख लेंगे कि क्या होता

है।'' ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से संबंधित याचिकाओं, जिनमें कथित तौर पर वापस ली गई याचिकाएं भी शामिल हैं, की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, ''यदि कोई निर्णय लिया गया होता, तो मैं तुरंत इसकी घोषणा कर देता। इस पर विचार चल रहा है। हम सभी याचिकाओं और मांगों की जांच कर रहे हैं। उचित कार्रवाई की जाएगी और सही समय पर सूचित किया जाएगा।'' विधानसभा की कार्यवाही के पूर्ण प्रसारण की मांग पर अध्यक्ष ने कहा कि जनता, विशेषकर युवाओं में, सदन की कार्यवाही को सीधे देखने की तीव्र इच्छा है। उन्होंने कहा, ''विशेष रूप से युवा पीढ़ी, जो पहले केवल समाचारों के माध्यम से राजनीति पर नजर करती थी, अब अपने विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री के कामकाज को सीधे देखने के लिए बहुत उत्सुक है।'' उचित समय पर प्रसारण बढ़ाने के संबंध में उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा।

तेज आंधी औ बारिश से जुड़ी घटनाओं में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में तेज आंधी और बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में एक महिला सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तेज आंधी से कई मकानों को नुकसान पहुंचा है। एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के अनेक हिस्सों में तेज आंधी आयी और बारिश हुई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आंधी के कारण दीवारें गिरने से धौलपुर, भरतपुर और भीलवाड़ा जिलों में जनहानि हुई। वहीं बीकानेर में एक सरकारी स्कूल की छत गिर गई लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

पुलिस ने बताया कि भरतपुर जिले के झोरोल गांव में देर रात हुई जोरदार बारिश से एक निर्माणाधीन इमारत की दीवार गिर गई, जिसके नीचे दबकर 55 वर्षीय इंदिरा देवी की मौत हो गई और इस घटना में उनका दिव्यांग बेटा घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, भीलवाड़ा के बिजोलिया में ऐसे ही एक हादसे में 45 साल के देवीलाल धाकड़ की मौत हो गई।

वहीं धौलपुर के बसेड़ी इलाके में तेज आंधी से एक दीवार गिर गई और मलबे के नीचे दबने से दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि भरतपुर जिले के रहने वाले रामफूल सिंह और समय सिंह बकरियां चराकर घर लौट रहे थे कि तभी चली तेज आंधी से बचने के लिए वे दीवार के सहारे बैठ गये। पुलिस के मुताबिक, दीवार उन पर गिर गई और उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस बीच मौमस विभाग के अनुसार, एक परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहने का अनुमान है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक के 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में 75 मिलीमीटर (मिमी) दर्ज की गई। विभाग के अनुसार, राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी, बारिश की गतिविधियां आगामी दो से तीन दिन जारी रहने का अनुमान है।

विभाग ने बताया कि आंधी-बारिश की गतिविधियों में आठ जून से कमी होने और तापमान में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। विभाग के मुताबिक, पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में आठ से 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस रहने व कहीं-कहीं लू चलने का अनुमान है।

राजस्थान में आंधी, बारिश की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान

एक परिसंचरण तंत्र के प्रभाव के कारण राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हुई। सर्वाधिक 75 मिलीमीटर बारिश बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी बारिश की गतिविधियां आगामी 2-3 दिन जारी रहने की संभावना है। इसके बाद पूर्वी राजस्थान में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। आंधी बारिश की गतिविधियों में आठ जून से कमी तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में 8 से 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व कहीं-कहीं 'हीटवेव' चलने की संभावना है।

राजस्थान को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में हर नागरिक दें योगदान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं और राज्य को हरित, स्वच्छ और जल संपन्न बनाने में योगदान दें। बिजली-पानी की बचत, पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करें ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित आवरण मिले। मुख्यमंत्री शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में मिशन हरियालो राजस्थान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, हरियालो राजस्थान जैसी पहल की हैं जिनके सकारात्मक परिणाम आए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वच्छ भारत अभियान, मिशन लाइफ, नमामि गंगे, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, पीएम सूर्य घर योजना की पहलों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाया जिससे प्रकृति के प्रति नवचेतना का संचार हुआ है।

उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो में 5 वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें से लगभग 19 करोड़ पौधे लग चुके हैं। वहीं, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए आवंटित लक्ष्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ पर्यावरण एवं हरित विकास की दिशा में कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में चयनित जिलों में 11-11 हजार पौधे लगाकर नमो चंदन वन स्थापित किए जा रहे हैं। जिला मुख्यालयों पर नमो नर्सरी, प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर नमो वन, 16 जिलों में मॉडल उद्यान ऑक्सीजोन, 21 जिलों में गोबरधन-परियोजना के तहत बायो-गैस संयंत्र, 29 अमृत शहरों में वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ ही, जयपुर में वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान हेतु अर्ली वॉर्निंग सिस्टम स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कैच द रेन अभियान से प्रेरणा लेकर हमने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान शुरू किया, जिसके माध्यम से प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि में जल संरक्षण कार्यों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 25 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर प्रारंभ किया गया वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका है। इसमें 1 करोड़ 80 लाख महिलाओं सहित लगभग 4 करोड़ नागरिकों ने योगदान दिया है, जिससे व्यापक स्तर पर जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को जल एवं ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के हर जिले को पर्याप्त पानी देने के लिए योजना बनाई गई है। वहीं, किसान, उद्योग एवं घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। जल संसाधनों के संरक्षण, पुनर्भरण और समुचित उपयोग के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार मिशन हरियालो राजस्थान, एक पेड़ मां के नाम, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान, नमो नर्सरी, चंदन वन एवं हरित अरावली विकास एवं संरक्षण जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को सशक्त बना रही है। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और जनभागीदारी आधारित अभियानों से आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

समारोह में अलवर एवं भिवाड़ी में अर्ली वार्निंग सिस्टम का शुभारंभ किया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल एवं वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, ग्रीन-को रेटिंग योजना और हैकाथॉन विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस दौरान आरएसपीसीबी के 4 क्षेत्रीय कार्यालयों का शिलान्यास, 7 नवीन पौधशालाओं तथा 8 प्रे-बेस ऑग्मेंटेशन एनक्लोजर्स का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने कैम्पा योजना के अंतर्गत निर्मित 5 फॉरेस्ट गार्ड चौकियों, 1 क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय एवं आवासीय भवन का लोकार्पण भी किया।

विदेशी युवती में इबोला वायरस संक्रमण जैसे लक्षण दिखे, अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर पहुंची युगांडा की 19 वर्षीय एक युवती में इबोला वायरस संक्रमण जैसे लक्षण पाए जाने के बाद उसे यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि युवती से लिए गए नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और अब तक उसमें इस बीमारी की पुष्टि नहीं हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, युवती शारजाह से जयपुर पहुंची थी और हवाई अड्डे पर स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम ने जांच के दौरान उसमें लक्षण पाए। उन्होंने बताया कि इसके बाद उसे राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसे विशेष देखभाल इकाई में पृथकवास में रखा गया। आरयूएचएस के प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि मरीज से लिया गया एक नमूना जांच के लिए पुणे भेजा गया है जबकि दूसरा नमूना 48 घंटे बाद भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट आने तक मरीज को पृथकवास में रखा जाएगा। ग्रोवर ने बताया, अगर जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो मरीज को 21 दिनों तक पृथकवास में रखा जाएगा और उसी के अनुरूप उसका उपचार किया जाएगा। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा कि महिला में अभी तक इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है और उसमें केवल इस संक्रमण जैसे कुछ लक्षण दिखाई दिए हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ लक्षणों के आधार पर इबोला संक्रमण की पुष्टि नहीं की जा सकती।

अधिकारियों के अनुसार, महिला को करीब एक महीने से पेट दर्द व भूख न लगने की शिकायत थी और फिलहाल उसे सिरदर्द है। उन्होंने बताया कि महिला पर्यटक के रूप में जयपुर आई थी। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर उसी उड़ान में उसके साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को घर पर अलग रहने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के नीरज डांगी ने नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राज्यसभा की तीन सीट के लिए होने वाले चुनाव में कांग्रेस की ओर से नीरज डांगी ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, कांग्रेस की ओर से डांगी ने निर्वाचन अधिकारी भारत भूषण शर्मा को नामांकन पत्र पेश किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि डांगी ने तीन नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इस अवसर पर कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी मौजूद थे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डांगी इस समय राज्यसभा के सदस्य हैं और वह 2020 में राजस्थान से राज्यसभा के लिए चुने गए थे। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया और राष्ट्रीय महासचिव अलका गुर्जर को उम्मीदवार घोषित किया है।

राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीट के लिए चुनाव की प्रकिया सोमवार से शुरू हो गई। नामांकन आठ जून तक किये जा सकते हैं, नामांकन पत्रों की जांच नौ जून को होगी जबकि 11 जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, जरूरी होने पर मतदान 18 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा जबकि मतगणना उसी दिन शाम पांच बजे शुरू होगी। चुनाव प्रक्रिया 20 जून तक पूरी हो जाएगी।

राज्य से राज्यसभा के तीन सदस्यों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके मद्देनजर यह चुनाव करवाया जाएगा। जिन सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है उनमें कांग्रेस के नीरज डांगी और भारतीय जनता पार्टी के राजेंद्र गहलोत तथा रवनीत सिंह हैं। राजस्थान में राज्यसभा की कुल 10 सीट हैं।

राजस्थान में जमीनी स्तर के नवाचारों को मिलेगा नया मंच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने आमंत्रित किए आवेदन

जयपुर। राजस्थान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने राज्यभर के जमीनी स्तर के नवाचारों की पहचान, प्रलेखन एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से विभागीय वेबसाइट पर नवाचार आमंत्रण प्रक्रिया प्रारम्भ की है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव डॉ. आरूषि मलिक ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समस्याओं के प्रभावी समाधान, आजीविका संवर्धन, सतत विकास तथा समाज के समग्र कल्याण में योगदान देने वाले नवाचारों को पहचान प्रदान करना एवं उन्हें व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित करना है।

विभाग ने ऐसे नवप्रवर्तकों, किसानों, विद्यार्थियों, स्टार्टअप्स, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सामुदायिक संगठनों से अपने नवाचार प्रस्तुत करने का आग्रह किया है, जिन्होंने कोई अभिनव समाधान, तकनीक, उत्पाद, प्रक्रिया अथवा सर्वोत्तम कार्य-पद्धति का विकास किया है और जो समाज के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती है। जमीनी स्तर पर विकसित नवाचार स्थानीय चुनौतियों का समाधान प्रदान करते हैं। साथ ही, राज्य एवं देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विभाग ऐसे नवाचारों को उपयुक्त मंच उपलब्ध कराने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीकानेर हाउस में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने किया पौधारोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजस्थान सरकार के 'हरियालो राजस्थान' तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के शुभारंभ के क्रम में मुख्य सचिव और नई दिल्ली में राजस्थान के मुख्य आवासीय आयुक्त वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर राजस्थान के आवासीय आयुक्त नवीन जैन ने भी पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा 'हरियालो राजस्थान' मिशन के तहत राज्यभर में वर्षा ऋतु के दौरान व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर से की है।

आवासीय आयुक्त नवीन जैन ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

राजनीति में दूसरों को 'कमतर' बताने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्णः अशोक गहलोत

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति में जो लोग खुद को ज्यादा 'कद्दावर' दिखाने के लिए दूसरों को कमतर दिखाने की कोशिश करते हैं वे आखिरकार नाकाम ही होते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि असली तरक्की अपनी क्षमताओं को मजबूत करने से ही होती है। गहलोत ने यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीति में दूसरों को 'कमतर' बताने की कोशिश ही रहती है।

उन्होंने कहा, लाइनें काटने के बजाय खुद की लाइनें बड़ी करनी पड़ती हैं। दुर्भाग्य से राजनीति क्या है?... एक-दूसरे की लाइनें काटो और अपनी लाइन बड़ी बताओ। पूर्व मुख्यमंत्री ने जनहित के मुद्दे उठाने, जनता के बीच में जाने पर जोर दिया। गहलोत ने कहा कि देश में आज स्थिति बड़ी विकट है और युवा पीढ़ी को इसे समझना होगा।

उन्होंने 2020 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर आए राजनीतिक संकट के लिए एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और केंद्रीय नेताओं पर निशाना साधा। गहलोत ने पर्यावरण दिवस पर 'ग्रेट निकोबार' का मुद्दा उठाते हुए रक्षा के नाम पर पर्यावरण से खिलवाड़ पर चिंता जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार के जमीनी सच को देश के सामने रखा है। रक्षा के नाम पर पर्यावरण से यह खिलवाड़ और पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने की नीति बेहद चिंताजनक है। गहलोत के अनुसार, 1.5 करोड़ पेड़ों की कटाई, कोरल रीफ की तबाही और वहां के आदिवासियों व पूर्व सैनिकों को विस्थापित कर होटल-कैसीनो का निर्माण कतई स्वीकार्य नहीं है।

वृक्षारोपण में आमजन निभाएं सक्रिय भागीदारी : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर 'हरियालो राजस्थान' और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आमजन से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर मिशन हरियालो राजस्थान में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। हम सभी को राजस्थान को पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति आमजन भी अपनी जिम्मेदारियों का समर्पण भाव से निर्वहन करें और नई पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने की दृष्टि से 10 करोड़ पौधे लगाने एवं संरक्षण का लक्ष्य रखा गया है।

कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना है : सुथार

जयपुर । विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड की तृतीय गवर्निंग बोर्ड की बैठक शुक्रवार को बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सुथार ने कहा कि बोर्ड का उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके लिए बेहतर रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर ऋषभ मंडल, आयुक्त एवं प्रबंध निदेशक, कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने बोर्ड की गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

बैठक में युवाओं को अधिक से अधिक रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, पारंपरिक कौशलों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने तथा स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव एवं निर्णय लिए गए। कौशल विकास, रोजगार सृजन, स्वरोजगार प्रोत्साहन तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ विभाग, उद्योग विभाग, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोर्ड कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित उपस्थित अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित राजस्थान के निर्माण का संदेश दिया। सुथार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सतत संकल्प है। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

सहायक अभियंता रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शुक्रवार को टोंक जिले में बिजली वितरण कंपनी 'जेवीएनएल' के सहायक अभियंता व एक अन्य व्यक्ति को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जेवीएनएल के सहायक अभियंता नवनीत सिंह गुर्जर व कंप्यूटर ऑपरेटर मोहम्मद शाजिम को गिरफ्तार किया गया है।

आज पूरी मानवता चुका रही है पर्यावरण की उपेक्षा की कीमत : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पर्यावरण की उपेक्षा की कीमत आज पूरी मानवता चुका रही है।

योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर विश्व बैंक समर्थित 2,741 करोड़ रुपए की लागत वाली भारत की पहली एयरशेड आधारित 'उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंधन परियोजना' की शुरुआत करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर विश्व बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। विश्व बैंक में एशिया क्षेत्र की प्रैक्टिस मैनेजर एन जैनेट ग्लोबर व सीईओ यूपी कैंप बी. चंद्रकला ने एमओयू का हस्तांतरण किया। बलिया स्थित सुरहा ताल देश का 100वां व उत्तर प्रदेश का 13वां रामसर साइट्स बना।

योगी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, आज का दिन हम सबके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सामान्य बोलचाल की भाषा में कहा जाता है कि ''जल है तो कल है, वन है तो जीवन है। एक दूसरे के साथ जीवन चक्र जुड़ा हुआ है, लेकिन उनकी (पर्यावरण की) हमने सर्वाधिक उपेक्षा भी की है और उस उपेक्षा की कीमत आज पूरी मानवता चुका रही है। उन्होंने कहा कि 40-45 या 50 वर्ष की उम्र का हर व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसके जीवन के कालखंड में पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को हम सब चुका रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबने मौसम चक्र को बदलते हुए देखा होगा और आज से 25 वर्ष पहले मौसम का जो चक्र होता था, उसमें एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया है। उन्होंने कहा कि अगर मौसम चक्र में अंतर आएगा तो सबसे अधिक प्रभावित किसान होगा और उसकी आमदनी पर असर पड़ेगा।

योगी ने कहा, हमें अतिवृष्टि, अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा। खाद्यान्न का संकट खड़ा हो सकता है और पूरी दुनिया उन चीजों से चिंतित भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि असमय घटने वाली प्राकृतिक आपदाएं एक चेतावनी भी हैं जिनसे बचने के लिए उपायों के प्रयास करना है।

'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना अंतिम चरण में, नए सुरक्षा ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक से होगा लैस : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना अंतिम चरण में है, और नए सुरक्षा ग्रिड में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा तथा इसमें स्थानीय प्रशासन और सीमा प्रहरी भी शामिल होंगे।

त्रिपुरा के लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जहां भी बल के जवान तैनात होंगे, ''हम वहां स्मार्ट बॉर्डर बनाएंगे''। गृह मंत्री ने कहा कि जल्दी ही 'स्मार्ट बोर्डर' प्रणाली लागू की जायेंगी, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा प्रहरियों को शामिल करते हुए एक समन्वित सुरक्षा ढांचा तैयार किया जाएगा।

शाह ने कहा, ''स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के तौर पर देश के सात-आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। मैं केंद्रीय गृह सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक से अनुरोध करता हूं कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करें और संवाद करें।''

शाह ने कहा कि मानव तस्करी और हथियारों की तस्करी से लेकर मादक पदार्थों की तस्करी तक हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, ''लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।''

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''भारत को 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लिए हमें सीमा पार से नकली नोटों की तस्करी, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी को रोकना होगा।''

शाह ने मई में कहा था कि सरकार अगले साल तक एक तकनीक-सक्षम ''स्मार्ट बॉर्डर'' परियोजना शुरू करेगी ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ 6,000 किलोमीटर लंबी सीमा को अभेद्य बनाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश की जनसांख्यिकी को बदलने का ''षड्यंत्र'' विफल हो जाए। उन्होंने कहा था कि 'स्मार्ट बॉर्डर' परियोजना के तहत ''अभेद्य'' सीमा बनाने के लिए तकनीक, ड्रोन, रडार और स्मार्ट कैमरों का उपयोग किया जाएगा।

असम मंत्रिपरिषद का विस्तार : भाजपा के 11 और अगप के एक विधायक ने मंत्री पद की शपथ ली

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार किया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रनोज पेगू, अशोक सिंघल, बिस्वजीत दैमारी और असम गण परिषद (अगप) के केशव महंत सहित 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस विस्तार के साथ ही राज्य मंत्रिपरिषद में सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 17 हो गई। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां 'ज्योति-बिष्णु अंतरराष्ट्रीय कला मंदिर' में आयोजित एक समारोह में विधायकों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गेरिटा, असम विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और राजग के कई विधायक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में नए मंत्रियों के बारे में कहा, ''यह एक संतुलित टीम है, जो लोगों के सभी वर्गों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है और उनका अनुभव एवं ज्ञान विकसित असम के निर्माण के हमारे संकल्प को और मजबूत करेगा।'' शर्मा ने पोस्ट में कहा, ''टीम असम आज और भी मजबूत हो गई है तथा नए जोश के साथ लोगों की सेवा करने के लिए तैयार है।'' शपथ लेने वाले मंत्रियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका अनुभव और बुद्धिमत्ता मंत्रिपरिषद में अमूल्य योगदान देगी तथा तीव्र गति से विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगी। मंत्रिपरिषद में शामिल नए चेहरों में भाजपा के अश्विनी राय सरकार, नीलिमा देवी और सुशांत बोरगोहेन हैं। धुबरी जिले के गोलकगंज का प्रतिनिधित्व करने वाले राय सरकार 2016 के बाद इस साल दूसरी बार विधायक बने हैं। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष नीलिमा देवी पहली बार विधानसभा के लिए चुनी गई हैं और मंगलदोई निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। तीसरी बार विधायक बने बोरगोहेन ने पहले 2011 से 2016 तक कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया था और बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने 2021 में भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। वह ऊपरी असम के डेमो निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। हिमंत विश्व शर्मा की पिछली मंत्रिपरिषद और सोनोवाल के नेतृत्व वाली राज्य की पहली भाजपा सरकार में भी शामिल रहे अगप नेता महंत को इस बार भी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है।

मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल ने पौधारोपण को जन आंदोलन बना दिया : नड्डा

शिलांग/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यहां पौधारोपण अभियान में हिस्सा लिया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के बाद पौधे रोपना एक जन आंदोलन बन गया है।

नड्डा ने कहा कि मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को व्यक्तिगत जिम्मेदारी से जोड़ा है और देश भर के करोड़ों लोगों को एक बेहतर भविष्य में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम शुरू किया। इसके तहत, देश भर में लाखों भाजपा कार्यकर्ता विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधे लगा रहे हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिकी संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, '' 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के रूप में एक पौधे से शुरू हुई पहल आज करोड़ों लोगों की भागीदारी के साथ एक जन आंदोलन बन रही है, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों की जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर रही है।''

सभी मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, तभी जीवन सुरक्षित रहेगा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लोगों से पर्यावरण संरक्षण और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि ''सभी मिलकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं, तभी जीवन सुरक्षित रहेगा।''

चौधरी ने जयप्रकाश (जेपी) गंगा पथ पर समग्र उद्यान परियोजना के तहत एक लाख पौधारोपण अभियान की शुरुआत की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पौधारोपण के कारण आने वाले समय में जेपी गंगा पथ ऑक्सीजन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जीवन के लिए ऑक्सीजन सबसे महत्वपूर्ण है। जीवन चक्र को आगे बढ़ाने के लिए ऑक्सीजन और ऑक्सीजन के लिए पौधारोपण आवश्यक है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हम सभी को मिलकर काम करना होगा।'' चौधरी ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के जागरूकता वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन राज्य के विभिन्न जिलों में जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करेंगे। चौधरी ने कहा कि झारखंड के अलग होने के समय बिहार में वन क्षेत्र 10 प्रतिशत से भी कम था लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में किए गए प्रयासों से राज्य में वन क्षेत्र का विस्तार हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण अनुकूल उपायों को बढ़ावा दे रही है और महिलाओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने पर 12,000 रुपए तथा चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर एक लाख रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बिहार में तेजी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में पांच लाख घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। चौधरी ने बताया कि अतिरिक्त बिजली उत्पादन होने पर राज्य सरकार उसे खरीदेगी और भुगतान सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खातों में किया जाएगा।

ओडिशा : केंद्रपाड़ा में अवैध पटाखा फैक्टरी में धमाका, बुजुर्ग महिला घायल

केंद्रपाड़ा/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में कथित तौर पर अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए धमाके की चपेट में आकर 74 वर्षीय एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात को मार्शाघाई पुलिस थाना क्षेत्र के ओस्ताराहट गांव में घटी।

पुलिस के मुताबिक घायल महिला की पहचान बिलासिनी मलिक के रूप में हुई है। उसने बताया कि महिला को पहले मार्शाघाई स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया था और बाद में हालत बिगड़ने पर केंद्रपाड़ा स्थित जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। मार्शाघाई पुलिस थाने के निरीक्षक तपन नायक ने बताया कि यह घर गदाधर मलिक का था, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर अस्थायी पटाखा निर्माण इकाई के तौर पर किया जा रहा था और वहां अवैध रूप से पटाखे जमा करके रखे गए थे, जिनमें धमाका हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय उक्त मकान में कोई मौजूद नहीं था और घायल महिला वहां से गुजर रही थी। नायक ने बताया, '' धमाके के बाद मकान में भीषण आग लग गई और दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में लगभग तीन घंटे का समय लगा।''

अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से विस्फोटक प्रकृति के संदिग्ध रासायनिक पदार्थ बरामद किए। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए नमूनों को उनकी संरचना और उत्पत्ति का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि भारतीय विस्फोटक अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

क्या तृणमूल खुद को बचा पाएगी?

ममता की पार्टी 28 साल के इतिहास के सबसे गंभीर संकट से जूझ रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने और विधानसभा में 58 विधायकों के विद्रोह के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) एक ऐसे प्रश्न का सामना कर रही है जो कुछ समय पहले तक असंभव माना जाता थाक्या यह पार्टी अब अपने अस्तित्व को बचा पाएगी जिस पर लगभग तीन दशकों से ममता बनर्जी की मजबूत पकड़ रही है? करीब 28 वर्षों से तृणमूल की आंतरिक व्यवस्था एक ही सिद्धांत पर टिकी रहीपार्टी और नेता ममता बनर्जी एक-दूसरे के पर्याय हैं। लेकिन अब पहली बार यह समीकरण गंभीर चुनौती के घेरे में है।

पार्टी के भीतर शुरू हुआ असंतोष अब विधानसभा से आगे बढ़कर सांसदों तक पहुंचने की आशंका पैदा कर रहा है। साथ ही नेतृत्व, उत्तराधिकार और संगठनात्मक नियंत्रण को लेकर भी गहरे मतभेद सामने आ रहे हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि पार्टी के प्रतीक 'जोरा घास फूल' (फूल और घास) पर नियंत्रण को लेकर भी भविष्य में विवाद की संभावना जताई जा रही है।

तृणमूल 1998 में अस्तित्व में आने के बाद से अपने 28 साल के इतिहास में सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। कांग्रेस से अलग हो कर ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस की स्थापना की थी।

तृणमूल कांग्रेस के भीतर यह संकट केवल सत्ता से बाहर होने का नहीं बल्कि नेतृत्व की एकछत्र सत्ता पर उठे सवालों का है। हालांकि असंतुष्ट विधायक अब भी ममता बनर्जी के नेतृत्व को स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन ममता के भतीजे और राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी के प्रति खुला विरोध सामने आया है। पार्टी के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि जो लोग ममता बनर्जी का साथ छोड़ रहे हैं, उनका राजनीतिक अस्तित्व उनके बिना नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने आशंका जताई है कि असंतोष का यह माहौल आगे चलकर संसद तक फैल सकता है। हालांकि पार्टी नेतृत्व का दावा है कि अभी सांसदों के बीच किसी संगठित विद्रोह के संकेत नहीं हैं, लेकिन यह चिंता गहराती जा रही है कि विधानसभा का संकट लोकसभा और राज्यसभा तक जा सकता है। तृणमूल के पास वर्तमान में लोकसभा में 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, और किसी भी तरह की टूट से विपक्षी राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हो सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह संकट महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में हुए विभाजन से मिलता-जुलता दिखता है, जहां विधायक संख्या और संगठनात्मक नियंत्रण के आधार पर राजनीतिक दल टूट गए थे। हालांकि तृणमूल के मामले में ममता बनर्जी की सक्रिय राजनीतिक मौजूदगी और जनाधार इसे अलग बनाता है।

राजनाथ सिंह ने ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' में स्वदेशी हथियारों के इस्तेमाल का हवाला देते हुए ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दिया।

सिंह ने कहा, पिछले साल पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में कायरतापूर्ण हमले के बाद हमारे तीन सशस्त्र बलों ने संयुक्त रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया था। हमने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए सटीक हमले किए। हमने आतंकवादियों और उनके संरक्षक दोनों का सफाया कर दिया। उन्होंने कहा, हम इसे हासिल करने में सक्षम थे क्योंकि हमारा मनोबल ऊंचा था। हमारे पास स्वदेशी हथियार थे और हम अन्य देशों पर निर्भर नहीं थे। हमें ऊर्जा, ईंधन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में समान क्षमता (आत्मनिर्भरता) हासिल करनी होगी और मुझे विश्वास है कि हम इसे हासिल करेंगे।''

केंद्रीय मंत्री विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ में 'बाययुग' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि पर्यावरण संबंधी पहल केवल स्वच्छता के बारे में नहीं हैं, ऐसे प्रयासों से हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल भी बढ़ता है। सिंह ने कहा, जब हमारे छावनी क्षेत्र साफ-सुथरे होते हैं, तो बीमारियां कम होती हैं, जिससे समृद्धि आती है और हमारे सैनिकों का मनोबल बढ़ता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बढ़े हुए मनोबल का एक उदाहरण है।

सिंह ने कहा कि आज भारत में पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल मिलाया जा रहा है और ये एथनॉल गन्ने और फसलों से यहीं तैयार होता है। उन्होंने कहा, जब पश्चिम एशिया में संकट आया और तेल की कीमतें आसमान छू गईं, तो इससे वैश्विक उथल-पुथल मच गई। हालांकि, भारत उस झटके को अपेक्षाकृत अच्छी तरह से झेलने में सक्षम था क्योंकि हमने अपने ईंधन का 20 प्रतिशत एथनॉल घरेलू स्तर पर उत्पादित किया था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जैव ईंधन न केवल पर्यावरण की रक्षा कर रहा है बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए एक शक्तिशाली उपकरण भी बन रहा है। उन्होंने कहा, हमें अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लानी चाहिए। हमें अपनी घरेलू क्षमता बनाने और स्वदेशी संसाधनों से जुड़ी आपूर्ति शृंखलाएं स्थापित करने की जरूरत है। हमें अपनी जमीन, किसानों, संसाधनों और वैज्ञानिक प्रतिभा से विकल्प तैयार करने होंगे जो संकट के समय भी हमारी अर्थव्यवस्था को जारी रखें। सिंह ने कहा, हम अपने पर्यावरणीय दायित्वों को पूरा करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकते हैं। यही 'आत्मनिर्भरता' हमें राष्ट्रीय सुरक्षा के संबंध में मजबूत रखती है।

अभिषेक बनर्जी से जुड़े डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ शिकायतों की जांच शुरू : बंगाल के खेल मंत्री

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने शुक्रवार को कहा कि डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ मिली कई शिकायतों की जांच शुरू कर दी गई है। यह क्लब तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी से जुड़ा हुआ है और हाल ही में आई-लीग का खिताब जीतकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में पदोन्नति हासिल कर चुका है।

प्रमाणिक ने पत्रकारों को बताया कि क्लब के गठन और संचालन को लेकर कई आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा, डायमंड हार्बर एफसी के खिलाफ कई शिकायतें मिली हैं। यह सवाल उठाया गया है कि क्या क्लब का गठन निर्धारित नियमों के अनुसार हुआ है? इसके अलावा क्लब के फंड के स्रोत और उसके उपयोग को लेकर भी आरोप हैं। इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।'' मंत्री ने यह भी कहा कि जांच के दायरे में क्लब के वित्तीय समर्थन को भी शामिल किया जाएगा और स्पॉन्सर्स से पूछताछ की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''क्लब के प्रायोजकों को भी बातचीत के लिए बुलाया जा सकता है। हम यह जांच करेंगे कि क्लब के लिए पैसा कहां से आ रहा है और वह कैसे उपलब्ध कराया जा रहा है।''

बिहार: खान ग्लोबल स्टडीज तोड़फोड़ मामले में खान सर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पटना/भाषा। बिहार के पटना स्थित 'खान ग्लोबल स्टडीज' में हुई तोड़फोड़ की घटना के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में फैसल खान उर्फ 'खान सर' को नामजद किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंगलवार रात को 15 से 20 लोगों के एक समूह ने खान ग्लोबल स्टडीज संस्थान में कथित तौर पर तोड़फोड़ की थी और परिसर पर पथराव किया था।

पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा ने प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि करते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खान ग्लोबल स्टडीज में तोड़फोड़ के मामले में दर्ज प्राथमिकी में खान सर का नाम शामिल किया गया है। शर्मा ने बताया, ''चूंकि प्राथमिकी में उनका (खान सर का) नाम है, इसलिए पुलिस उनसे पूछताछ करेगी।'' पुलिस ने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि खान सर के खिलाफ कौन-कौन सी धाराएं लगाई गई हैं।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को कोचिंग संस्थान से जुड़े दो सुरक्षा गार्डों को मंगलवार रात कथित रूप से हवा में गोलीबारी करने के आरोप में हिरासत में लिया था। सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो प्रसारित होने के बाद यह कार्रवाई की गई, जिसमें दोनों गार्ड गोली चलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

मेजबान भारत ने विश्व योगासन चैंपियनशिप के पहले दिन 5 स्वर्ण जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। मेजबान भारत ने पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप के पहले दिन शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले छह में से पांच स्वर्ण पदक जीत लिये ।

प. बंगाल के अभय बर्मन (सीनियर पुरूष) और रितु मंडल (सीनियर महिला) ने पारंपरिक योगासन वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। बर्मन ने 63 . 42 अंक लेकर भारत को पहला पीला तमगा दिलाया। इंडोनेशिया की अरकान रियांतो (57.23) दूसरे और उजबेकिस्तान की एलेन (53.21) तीसरे स्थान पर रही। सीनियर महिला वर्ग में रितु ने 64.33 अंक के साथ एक और स्वर्ण जीता। कजाखस्तान की ऐजान के (58.97) को रजत और हांगकांग की लाम एंगा मेन (56.98) को कांस्य पदक मिला। जीत के बाद रितु ने कहा,''हर योगासन खिलाड़ी के लिये यह चैम्पियनशिप ऐतिहासिक पल है । भारत के लिये पदक जीतना सपना सच होने जैसा है । मैने 12 वर्ष की उम्र से योग अभ्यास शुरू किया और आठ साल की मेहनत के बाद यह पदक जीता है ।'' सीनियर ए पुरूष वर्ग में सिंगापुर के नाथनियल तान लियोंग अन ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत को सभी छह स्वर्ण नाम करने से रोक दिया। तंजानिया के करीमू स्वाफी को रजत और भारत के सुमीर नावाली को कांस्य पदक मिला । सीनियर ए महिला वर्ग में भारत की रितु ठाकुर ने 63 . 50 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता । अर्जेंटीना की नबीला सोल बाराजा दूसरे और कीनिया की अवुयोर साउलिन्हा तीसरे स्थान पर रही । सीनियर पुरूष बी वर्ग में भारत के रोशन थापा अव्वल रहे जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद मामून खान बाबू दूसरे और किर्गीस्तान के दानिल रिकोव तीसरे स्थान पर रहे । ज्योति देउरकर ने 'ट्विस्टिंग बॉडी' व्यक्तिगत सीनियर बी महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता । उन्होंने ओमान की ओलिमुथु नवामनी और जापान की साओरी कुयेइ को पछाड़ा । भारत ने इस चैम्पियनशिप में 122 सदस्यीय दल उतारा है।

मिजोरम में 350 ग्राम से अधिक हेरोइन बरामद, आठ महिलाएं गिरफ्तार

आइजोल/भाषा। पूर्वी मिजोरम के चम्फाई जिले में अलग-अलग अभियानों के दौरान 352 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया तथा इस सिलसिले में आठ महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चम्फाई के बाहरी इलाके में स्थित खानकावन चेक गेट पर बुधवार को वाहनों की नियमित जांच के दौरान अधिकांश मादक पदार्थ जब्त किए गए। यह आइजोल की ओर जाने वाला एक प्रमुख पारगमन मार्ग है। पुलिस ने बताया कि सबसे बड़ी बरामदगी आइजोल के बेथलेहम वेंगछाक से हुई, जहां 19 वर्षीय लड़की गिरफ्तार कर उसके पास से 180 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया।

सुविचार

वक्त सबको मिलता है जिंदगी बदलने के लिए, पर जिंदगी दोबारा नहीं मिलती वक्त बदलने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बच्चे कहां कहें अपने मन की बात?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्कूलों के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण नीति के मसौदे पर समीक्षा बैठक के बाद जो जानकारी साझा की, उससे पता चलता है कि केंद्र सरकार विद्यार्थियों के बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है। यह एक ऐसा विषय है, जिस पर हमारे देश में खुलकर बात नहीं की गई। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बहुत जरूरी है। बच्चे स्कूली दिनों में कई मानसिक समस्याओं का सामना करते हैं, लेकिन उनके आस-पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है, जहां वे अपनी बात कह सकें। कई बच्चों को स्कूल का माहौल अच्छा नहीं लगता। उन्हें शिक्षकों से शिकायत रहती है, लेकिन उनके बारे में बोलने से डरते हैं। यह डर बाद में किसी मानसिक समस्या का रूप ले सकता है, जो उस व्यक्ति को जीवनभर परेशान करता है। एक युवती, जो आज खुद शिक्षिका हैं, अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए भावुक हो जाती हैं। जब वे एक मशहूर स्कूल की छात्रा थीं तो वहां एक शिक्षिका उनकी पिटाई करने के बहाने ढूंढ़ती रहती थीं। शिक्षिका उन्हें पूरी कक्षा के सामने अपमानित करती थीं और इस बात का पूरा ध्यान रखती थीं कि छात्रा का आत्मविश्वास तोड़ा जाए। वह युवती जो अपनी कक्षा की सबसे शांत छात्राओं में से एक थीं, उनकी शिक्षिका उन पर शरारत करने, पढ़ाई के दौरान बात करने, इधर-उधर देखने, ध्यान कहीं और होने का आरोप लगाकर दंडित करती थीं। वर्षों बाद जब किसी कार्यक्रम में दोनों की मुलाकात हुई तो वह युवती चाह कर भी उन्हें प्रणाम नहीं कर पाईं, क्योंकि मन में इतनी कड़वाहट भरी थी, जिसे अब तक नहीं भुला पाई हैं। पुरानी बातें जिस दिन उन्हें याद आ जाती हैं, उनका पूरा दिन खराब हो जाता है। वे आज तक नहीं समझ पाईं कि वह शिक्षिका उन्हें बेवजह क्यों पीटती थी? अगर उस समय स्कूल में कोई ऐसी व्यवस्था होती, जहां जाकर वे अपने मन की बात कहतीं और वहां से उचित परामर्श पातीं तो आज उनका मानसिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा होता।

हर बच्चे की मानसिक स्थिति एक जैसी नहीं होती है। कुछ बच्चे बड़े भावुक और संवेदनशील होते हैं। वे कठोर बात बर्दाश्त नहीं कर पाते। पिछले साल राजस्थान के एक बड़े स्कूल का मामला बहुत चर्चा में रहा था। उसकी चौथी कक्षा की एक छात्रा ने छत से कूदकर जान दे दी थी। माता-पिता ने आरोप लगाए थे कि बच्ची को कई दिनों से परेशान किया जा रहा था। उसने शिक्षिका से मदद भी मांगी थी, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। बाद में, जब मीडिया ने उस मामले को प्रमुखता से उठाया तो स्कूल की मान्यता रद्द हुई, कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। अगर समय रहते इस ओर ध्यान दिया जाता तो वह घटना नहीं होती। मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करना भविष्य में घातक सिद्ध हो सकता है। राजस्थान में एक प्रतिभाशाली छात्र को दुर्भाग्य से ऐसा माहौल मिला, जिसकी उसने कभी कल्पना नहीं की थी। उसके संयुक्त परिवार के कुछ सदस्य उसकी पढ़ाई-लिखाई के सख्त खिलाफ थे। जब वह स्कूल जाने के लिए घर से निकलता तो वे उसे कोई काम करने के लिए कह देते थे। जब वह यह कहते हुए इन्कार करता कि मुझे स्कूल जाने में देर हो रही है, तो वे उसे खरी-खोटी सुनाते थे। जब वह कक्षा में प्रथम आता तो वे उसका हौसला बढ़ाने के बजाय कहते- 'क्या फायदा है पढ़ाई-लिखाई का, जब तुम्हें भी एक दिन यहीं बेरोजगारों के साथ भटकना है?' एक दिन तो हद ही हो गई। परिवार में किसी वृद्ध व्यक्ति का निधन हो गया था। इस घटना के हफ्तेभर बाद उस लड़के की वार्षिक परीक्षा थी। जब वह परीक्षा के लिए निकला तो परिवार के एक बुजुर्ग सदस्य ने यह कहते हुए उसका रास्ता रोक लिया कि 'घर पर रहो, यहां काफी काम है ... परीक्षा तो हर साल आती है!' ये कड़वे अनुभव बाद में उसके लिए कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों की वजह बने। बचपन खुशहाल होना चाहिए। उसके साथ ऐसी यादें जुड़ी हों, जो चेहरे पर हमेशा मुस्कान लाएं। जो बातें बच्चों के कोमल मन पर आघात करें, उन्हें परामर्श और सूझबूझ से दूर करना चाहिए। इसके लिए हर स्कूल में उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

वंदे गंगा - जल संरक्षण जन अभियान के तहत आज बूढ़ा पुष्कर में विधिवत पूजा-पाठ और अनुष्ठान करके राज्य के सभी निवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई। मैंने स्थानीय निवासियों के साथ जल संरक्षण और जल संवर्धन के संकल्प को दोहराया।

-दिया कुमारी

आइए देखें कि भारत की संसद एनवायरनमेंट की सुरक्षा, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्रीन फ्यूचर के लिए अपने कमिटमेंट को कैसे पूरा कर रही है। इको-फ्रेंडली पार्लियामेंट्री बिल्डिंग्स जैसी पहलें नेचर और प्रोग्रेस के बैलेंस्ड मेल का एक इंस्पायरिंग उदाहरण पेश करती हैं।

-ओम बिरला

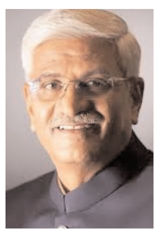

बीजीएस मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और बेंगलुरु में आयुर्वेदिक कॉलेज का उद्घाटन किया ये संस्थान सस्ती, आसान और होलिस्टिक हेल्थकेयर को मजबूत करने और मेडिकल प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

छोटी चूक बड़ा खमियाजा

राजा अनंतदेव से भोजन करते समय थोड़ा-सा शहद टपककर ज़मीन पर गिर पड़ा। उनके मन में विचार आया कि नौकर आएगा और स्वयं साफ कर लेगा। नौकर आया तो ध्यान न जाने के कारण वह भी बिना साफ किए ही चला गया। शहद को चाटने मक्खियां आ गईं। मक्खियों को देख छिपकली ललचाई और उन्हें खाने के लिए आ पहुंची। छिपकली को मारने बिल्ली पहुंची, जो कि राजमहल में ही रहती थी। उस दिन न जाने कैसे पर राजमहल के बाहर बगीचे में घूम रहे कुत्ते वहां आ पहुंचे और बिल्ली पर टूट पड़े। बिल्ली तो किसी तरह भाग गई पर कुत्ते आपस में लड़कर घायल हो गए। कुत्तों के मालिकों को जब यह बात पता चली तो वे सब भी वहां आ पहुंचे। कुत्तों के मालिक अपने-अपने कुत्तों के पक्ष का समर्थन करने लगे और दूसरे का दोष बताने लगे। इस पर लड़ाई ठन गई। दंगइयों को मौका मिला तो सरकारी संपत्ति को लूटा और राजमहल में आग लगा दी। इतने बड़े उपद्रव का जब राजा ने कारण पूछा तो मंत्री ने जांचकर बताया कि आपके द्वारा गिराए गए शहद को साफ न करना ही इतने बड़े बवाल का कारण बना। अपनी ही असावधानी से बिगड़े किसी काम को सुधारने का मौका गंवाना नहीं चाहिए अन्यथा वह किसी भयावह घटना को जन्म दे सकता है।

सामयिक

बदलते परिवेश में भी भारत और रूस की मित्रता रहेगी कायम

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

पुतिन का भारत को लेकर यह बयान महज एक सामान्य राजनीतिक वक्तव्य नहीं है, बल्कि यह एक तेजी से उभरती हुई विश्व शक्ति के रूप में भारत के प्रति गहरे सम्मान का सीधा प्रकटीकरण है। पश्चिमी देशों को यह बहुत ही स्पष्ट संदेश है कि दुनिया अब उनके इशारों या उनकी नीतियों पर नहीं चलती। भारत अपने सभी निर्णयों में पूर्णतः स्वतंत्र है और वह अपने रणनीतिक मित्रों का चुनाव केवल अपनी शर्तों और अपने लाभ के आधार पर करता है।

वैश्विक कूटनीति के निरंतर बदलते स्वरूप के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत के संदर्भ में दिया गया हालिया बयान दोनों देशों के बीच की प्रगाढ़ और ऐतिहासिक मित्रता को एक नई ऊर्जा प्रदान करता है। पुतिन ने अत्यंत स्पष्ट शब्दों में भारत को रूस का एक बेहद भरोसेमंद साझेदार करार दिया है। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक मंच पर एक बहुत बड़ा संदेश देते हुए यह भी साफ कर दिया है कि भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती रणनीतिक और कूटनीतिक नजदीकियों का असर मॉस्को और नई दिल्ली के गहरे संबंधों पर बिल्कुल नहीं पड़ेगा। यह बयान इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक ध्रुव या गुट तक सीमित नहीं रखा है। आज के समय में जब पश्चिमी देश लगातार विकासशील देशों पर अपने एजेंडे थोपने का प्रयास कर रहे हैं, तब पुतिन का यह कहना कि भारत पर रूस के साथ सहयोग कम करने के लिए डाला जा रहा पश्चिमी दबाव पूरी तरह से व्यर्थ है, भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की सबसे बड़ी वैश्विक स्वीकार्यता है। यह बयान केवल दो नेताओं या दो देशों की सरकारों के बीच का कूटनीतिक संवाद नहीं है, बल्कि यह एक बदलते हुए विश्व के शक्ति संतुलन का बहुत ही सजीव चित्रण है।

रूस और भारत के कूटनीतिक रिश्तों की बुनियाद कई दशकों के विश्वास और आपसी सहयोग पर टिकी है। वर्ष 1971 की शांति और मैत्री संधि से लेकर आज 2026 तक के सफर में दोनों देशों ने कई वैश्विक उतार चढ़ाव देखे हैं। जब भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को समर्थन की आवश्यकता पड़ी है, रूस ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी वीटो शक्ति का इस्तेमाल कर भारत का साथ दिया है। कश्मीर का मुद्दा हो या फिर आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई, रूस हमेशा एक सच्चे मित्र की भांति भारत के साथ खड़ा रहा है। यही कारण है कि आज की सदी में भी यह रिश्ता मात्र कूटनीतिक समझौतों का मोहताज नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों की जनता के बीच पनपे एक अटूट भावनात्मक जुड़ाव का भी प्रतीक है। पुतिन की बातों में इसी ऐतिहासिक विश्वास की झलक मिलती है। उन्हें इस बात का भलीभांति भान है कि भारत किसी भी बाहरी देश के दबाव में आकर अपने पुराने और सच्चे मित्र के साथ संबंधों में कोई भी कटौती नहीं करेगा। भारत की जनता और भारत के नीति निर्माता दोनों ही इस बात को बहुत अच्छी तरह से समझते हैं कि संकट के समय में किसने उनका साथ दिया था। फरवरी 2022 में शुरू हुए यूक्रेन संकट के बाद से ही पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर कई तरह के कड़े आर्थिक और कूटनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। इन पश्चिमी देशों ने भारत पर भी यह भारी दबाव बनाया कि वह रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंध सीमित करे और वहां से कच्चे तेल की खरीद को रोक दे। लेकिन भारत ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि उसकी नीतियां उसके अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार तय होती हैं, न कि पश्चिमी देशों के फरमानों से। भारत ने न केवल रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखी, बल्कि अपनी ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए उसे कई गुना बढ़ा भी दिया। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले कुछ वर्षों में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार ने 60 अरब डॉलर के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है, जो कि दोनों देशों द्वारा तय किए गए 2025 के लक्ष्य से बहुत पहले ही हासिल कर लिया गया। आज रूस, भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन चुका है। भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रूस से आयात कर रहा है। यह आंकड़ा इस बात को साबित करता है कि पश्चिमी देशों की धमकियां भारत के इरादों को डिगा नहीं पाईं और भारत ने अपने नागरिकों के हितों को सर्वोपरि रखा।

आर्थिक मोर्चे पर पुतिन द्वारा भारत के तीव्र विकास की जो विशेष रूप से प्रशंसा की गई है, वह भी अत्यंत महत्वपूर्ण और ध्यान देने योग्य है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जिसकी विकास दर लगातार 7 प्रतिशत के आस पास बनी हुई है। देश में हो रहे भारी बुनियादी ढांचे के निर्माण और तकनीकी विकास ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। रूस यह भलीभांति समझता है कि भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका एक प्रमुख विकास इंजन की तरह होने वाली है। ऐसे में रूस के लिए भारत सिर्फ एक पारंपरिक हथियार खरीदार नहीं रह गया है, बल्कि ऊर्जा, कृषि, अंतरिक्ष और विनिर्माण क्षेत्र में एक विशाल बाजार और सहयोगी बन गया है।

दोनों देश अपनी मुद्राओं यानी रुपये और रूबल में व्यापार करने की दिशा में भी लगातार काम कर रहे हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में पश्चिमी मुद्राओं के एकाधिकार को चुनौती दी जा सके और दोनों देशों के व्यापारियों को विदेशी मुद्रा के उतार चढ़ाव से बचाया जा सके। रक्षा क्षेत्र की बात करें तो भारत और रूस का सहयोग केवल आयात और निर्यात के पुराने मॉडल तक सीमित नहीं है। आज यह दोनों देश ब्रह्मोस मिसाइल जैसे अत्याधुनिक हथियारों का संयुक्त रूप से निर्माण कर रहे हैं जो कि पूरी दुनिया में अपनी तरह की सबसे बेहतरीन मिसाइल मानी जाती है। इसके अलावा एस 400 वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति भी दोनों देशों के बीच हुए एक ऐतिहासिक सौदे का हिस्सा है, जिसे पूरा करने के लिए भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित खतरे की भी बिल्कुल परवाह नहीं की। भारत में मेक इन इंडिया पहल के तहत कलाश्निकोव राइफल से लेकर अन्य कई रूसी रक्षा उपकरणों के निर्माण को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भारत की अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। पुतिन का यह अटूट भरोसा इन्हीं ठोस धरातल पर टिके वास्तविक प्रोजेक्ट्स के कारण और भी मजबूत होता है।

जहां तक अमेरिका और भारत के बढ़ते संबंधों का प्रश्न है, पुतिन की बेबाक टिप्पणी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में रूस की परिपक्वता को दर्शाती है। आज भारत क्वाड जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संगठनों का सक्रिय सदस्य है जिसमें अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। पश्चिमी कूटनीतिक विश्लेषकों का अक्सर यह मानना रहा है कि भारत की अमेरिका से यह बढ़ती नजदीकी रूस को खटकती है और इससे दोनों के रिश्ते खराब हो सकते हैं। परंतु रूसी राष्ट्रपति ने अपने इस स्पष्ट बयान से इस सारे भ्रम को पूरी तरह से तोड़ दिया है। रूस यह गहराई से जानता है कि भारत हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने सामरिक हितों की रक्षा और चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए अमेरिका के साथ खड़ा है, लेकिन इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि भारत रूस के खिलाफ किसी भी पश्चिमी एजेंडे का हिस्सा बन जाएगा। इसके विपरीत भारत शंघाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण मंचों पर भी रूस के साथ मजबूती से कदमताल कर रहा है। वर्ष 2024 में ब्रिक्स का जो ऐतिहासिक विस्तार हुआ उसके बाद आज 2026 में यह संगठन एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का सबसे बड़ा और मजबूत पैरोकार बन चुका है, जिसमें भारत और रूस की धुरी सबसे अहम भूमिका निभा रही है।

निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि पुतिन का भारत को लेकर यह बयान महज एक सामान्य राजनीतिक वक्तव्य नहीं है, बल्कि यह एक तेजी से उभरती हुई विश्व शक्ति के रूप में भारत के प्रति गहरे सम्मान का सीधा प्रकटीकरण है। पश्चिमी देशों को यह बहुत ही स्पष्ट संदेश है कि दुनिया अब उनके इशारों या उनकी नीतियों पर नहीं चलती। भारत अपने सभी निर्णयों में पूर्णतः स्वतंत्र है और वह अपने रणनीतिक मित्रों का चुनाव केवल अपनी शर्तों और अपने लाभ के आधार पर करता है। रूस और भारत की यह प्रगाढ़ साझेदारी आने वाले समय में न केवल एशिया बल्कि संपूर्ण वैश्विक शक्ति संतुलन को बनाए रखने में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह दोनों देश मिलकर जिस न्यायपूर्ण और बहुध्रुवीय दुनिया का निर्माण करना चाहते हैं, उसमें आपसी सम्मान, संप्रभुता का आदर और एक दूसरे के विकास में बिना शर्त योगदान ही सबसे प्रमुख स्तंभ होंगे। व्लादिमीर पुतिन के शब्दों ने दोनों देशों के बीच की इसी अत्यंत मजबूत नींव को एक बार फिर से दुनिया के सामने पूरी दृढ़ता और विश्वास के साथ रख दिया है, जिससे भविष्य में दोनों देशों के संबंध और भी अधिक ऊंचाइयों को छुएंगे।

नजरिया

प्रकृति के साथ अब समझौते का नहीं, संकल्प का समय

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

जहां तक पर्यावरण प्रदूषण की बात है, विश्वभर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण प्रतिवर्ष तरह-तरह की बीमारियों के कारण लोगों की मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, यहां तक कि बहुत से नवजात शिशुओं पर भी प्रदूषण के गंभीर दुष्प्रभाव अब स्पष्ट देखे जाने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रतिवर्ष विश्वभर में प्रदूषित हवा के कारण करीब सत्तर लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

प्रकृति का मिजाज वर्ष दर वर्ष बदल रहा है और इसी के साथ प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भी बढ़ा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैसे तो दुनियाभर में बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं। 2015 में पेरिस सम्मेलन में 197 देशों ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए अपने-अपने देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने और 2030 तक वैश्विक तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने का संकल्प लिया था किन्तु धरती का तापमान जिस प्रकार वर्ष दर वर्ष बढ़ रहा है, ऐसे में इस वास्तविकता को नहीं नकारा जा सकता कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मौसम के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट में वैज्ञानिकों द्वारा चेतावनी देते हुए कहा जा चुका है कि दुनिया पर वैश्विक तापमान में खतरनाक वृद्धि का संकट मंडरा रहा है और यह वृद्धि 2015 में पेरिस समझौते में संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित डेढ़ डिग्री सेल्सियस का भी रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2026 का विषय प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।' संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था। 19 नवम्बर 1986 को भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया। हालांकि विश्व पर्यावरण दिवस मनाए जाने का वास्तविक लाभ तभी है, जब हम इस आयोजन को केवल रस्म अदायगी तक ही सीमित न रखें बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए इस अवसर पर लिए जाने वाले संकल्पों को पूरा करने हेतु हरसंभव प्रयास भी करें। दरअसल धरती का तापमान वर्ष दर वर्ष जिस प्रकार बढ़ रहा है, उसे देखते हुए वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान बढ़ने से हीटवेव, अत्यधिक वर्षा, पानी की कमी जैसी समस्याएं पूरी दुनिया में विकराल रूप ले सकती हैं।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का दुष्प्रभाव अब समय-समय पर भयानक चक्रवाती तूफानों के रूप में भी देखा जाने लगा है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि जलवायु संकट के साथ अरब सागर में तीव्र चक्रवाती विक्षोभ का सिलसिला चलता रहेगा। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब जलवायु में हो रहे बदलावों का ही बड़ा असर है। फिलहाल न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता का विषय बना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक अब अरब सागर अधिकाधिक अशांत होता जा रहा है और अरब सागर में चक्रवात अपेक्षाकृत असामान्य हैं। आईएमडी सहित जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी की तुलना में अरब सागर में चक्रवातों की तीव्रता में ज्यादा वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार 1890 के दशक के बाद 2011 से 2022 के बीच अरब सागर में चक्रवातीय घटनाएं ज्यादा हुई हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है और ऐसी घटनाओं की तीव्रता बढ़ रही हैं, जिनमें अरबों-खरबों रुपये का नुकसान होता है, अनेक लोग मारे जाते हैं और ऐसी आपदाओं में लाखों लोग देखते ही देखते बेघर हो जाते हैं।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि पृथ्वी का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं और संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि किस प्रकार पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा और अगले तीन दशकों में पृथ्वी के तापमान में वृद्धि पांच डिग्री तक दर्ज की जाती है तो इससे एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा और एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे। धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

जहां तक पर्यावरण प्रदूषण की बात है, विश्वभर में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण प्रतिवर्ष तरह-तरह की बीमारियों के कारण लोगों की मौतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, यहां तक कि बहुत से नवजात शिशुओं पर भी प्रदूषण के गंभीर दुष्प्रभाव अब स्पष्ट देखे जाने लगे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रतिवर्ष विश्वभर में प्रदूषित हवा के कारण करीब सत्तर लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। अनेक दुर्लभ प्राकृतिक सम्पदाओं से भरपूर हमारी पृथ्वी प्रदूषित वातावरण के कारण ही अपना प्राकृतिक रूप खोती जा रही है। बहरहाल, प्रतिवर्ष सामने आ रही भयंकर आपदाओं को झेलने के बाद कम से कम अब तो पूरी दुनिया को समझ लेना चाहिए कि यदि मानवीय क्रियाकलापों के कारण धरती का तापमान इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में समस्त मानव जाति को इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा। प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर यदि हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर वाकई चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें।

अब यह हमें ही तय करना है कि पृथ्वी जिस प्रकार अकाल मृत्यु की ओर बढ़ रही है, ऐसे में हम किस युग में जीना चाहते हैं? एक ऐसे युग में, जहां सांस लेने के लिए प्रदूषित वायु होगी और पीने के लिए प्रदूषित और रसायनयुक्त पानी तथा ढ़ेर सारी खतरनाक बीमारियों की सौगात या फिर एक ऐसे युग में, जहां हम स्वच्छंद रूप से शुद्ध हवा और शुद्ध पानी का आनंद लेकर एक स्वस्थ एवं सुखी जीवन का आनंद ले सकें। यदि हम वास्तव में पृथ्वी को खुशहाल देखना चाहते हैं और चाहते हैं कि हम धरती मां के कर्ज को थोड़ा भी उतार सकें तो यह केवल तभी संभव है, जब वह पेड़-पौधों से आच्छादित, जैव विविधता से भरपूर तथा प्रदूषण से सर्वथा मुक्त हो और हम चाहें तो सामूहिक रूप से यह सब करना इतना मुश्किल भी नहीं है। बढ़ते पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर हमें हमारे स्वास्थ्य, परिवारों और आजीविका की रक्षा करने के लिए एकजुट होकर गंभीर प्रयास करने होंगे क्योंकि हरा-भरा भविष्य ही एक समृद्ध भविष्य है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

साइबर ठगों के प्रलोभन वाले ऐप और लिंक से बचें, सतर्कता ही एकमात्र बचाव : साइबर एक्सपर्ट कर्मेन्द्र कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्तमान डिजिटल युग में इंटरनेट के प्रसार के साथ कंप्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट और मोबाइल का उपयोग तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों के ग्राफ में भी अप्रत्याशित उछाल आया है। आज जागरूकता के अभाव में प्रतिदिन हजारों लोग करोड़ों रुपए की साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। इस गंभीर मुद्दे पर केंद्र व राज्य सरकारों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के साइबर सलाहकार तथा 'सिक्योरआईज़' के सीईओ व निदेशक कर्मेन्द्र कोहली ने आमजन को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने दो टूक कहा, दुनिया में ऐसी कोई संस्था या व्यक्ति नहीं है जो किसी को मुफ्त में लाखों-करोड़ों रुपए दे। इसलिए ललचाने वाले ऑफर, अनचाहे एसएमएस, लिंक और कॉल से दूरी बनाना ही ठगी से बचने का सबसे बेहतर तरीका है।

कर्मेन्द्र कोहली ने इस बात पर जोर दिया कि साइबर क्राइम से निपटने के लिए सबसे पहली जरूरत 'जागरूकता' की है। आम जनता से सीधे तौर पर जुड़े सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थाओं और बैंकों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि सीधे-साधे लोग ठगों के जाल में न फंसें। कोहली ने तकनीकी सुरक्षा पर बात करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को अपने लैपटॉप और कंप्यूटर जैसे डिवाइस में उच्च स्तर की सिक्योरिटी रखनी चाहिए और हमेशा अच्छे एंटी-वायरस का उपयोग करना चाहिए।

इसके अलावा, जैसे ही स्क्रीन पर कोई प्रलोभन देने वाला ऐप या ऑफर दिखे, तुरंत सतर्क हो जाएं और उस पर संदेह करें। बता दें कि पिछले 16 वर्षों से साइबर सुरक्षा सेवा प्रदाता कंपनी 'सिक्योरआईज़' केंद्र व राज्य सरकारों के साथ-साथ वित्त, बैंक, रक्षा और बीमा जैसे देश के बेहद संवेदनशील (क्रिटिकल) सेक्टर्स को साइबर सुरक्षा प्रदान कर रही है। कोहली ने बताया कि इंटरनेट पर चलने वाले ई-कॉमर्स और बिजनेस एप्लीकेशन्स की सुरक्षा की जांच बैक-एंड पर लगातार की जाती है। उन्होंने एक दिलचस्प पहलू साझा करते हुए कहा, आईटी सेक्टर जहां नए ऐप्स और सॉफ्टवेयर बनाता है, वहीं साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स उन ऐप्स को 'तोड़ने' (हैक करने) की कोशिश करते हैं। इसके पीछे का मुख्य उद्देश्य उन कमियों को ढूंढना होता है, ताकि उन एप्लीकेशन्स को भविष्य के लिए और अधिक सुरक्षित व अभेद्य बनाया जा सके।

सेल्फी4

मैदानगढ़ी पॉकेट-1 में 'नमो ऑक्सीजन पार्क' के उद्घाटन और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण के दौरान छात्रों के साथ सेल्फी लेतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब कोई काल्पनिक तकनीक नहीं बल्कि एक क्रियाशील वास्तविकता है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस बात पर जोर दिया कि इस दशक में लिए गए विकल्प प्रौद्योगिकी, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को आकार देंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक।

लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर एक सार्वजनिक व्याख्यान में उन्होंने कहा कि पिछली तकनीकी क्रांतियों के विपरीत, एआई केवल मानवीय क्षमता को नहीं बढ़ाती है; यह तेजी से उन निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेती है जिन्हें ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट रूप से मानवीय माना जाता था। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अपने आप में न तो स्वाभाविक रूप से लाभकारी है और न ही स्वाभाविक रूप से हानिकारक। इसका प्रभाव उन कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचों पर निर्भर करता है जिनके अंतर्गत समाज इसका उपयोग करना चुनते हैं। इसलिये कानून का दायित्व न तो तकनीकी प्रगति का विरोध करना है और न ही उसके समक्ष बिना किसी प्रश्न के आत्मसमर्पण करना। उसका दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब एक क्रियात्मक वास्तविकता है जो शासन, वाणिज्य, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और तेजी से न्यायिक और संप्रभु शक्ति के प्रयोग को ही नया आकार दे रही है। उन्होंने कहा, सरकारें अब कल्याणकारी लाभों के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमाओं की निगरानी, वित्तीय प्रणालियों के विनियमन और पुलिसिंग कार्यों में सहायता के लिए एल्गोरिदम प्रणालियों का उपयोग करती हैं। सेनाएं तेजी से स्वायत्त क्षमताओं का विकास कर रही हैं। विभिन्न न्याय क्षेत्रों की अदालतें कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न साक्ष्य, स्वचालित निर्णय लेने और डिजिटल उचित प्रक्रिया से संबंधित प्रश्नों का सामना करना शुरू कर रही हैं। निजी निगमों के पास ऐसी तकनीकी क्षमताएं हैं जो संप्रभु राज्यों की सूचनात्मक पहुंच के बराबर हैं और कुछ मामलों में उससे भी अधिक हैं। उन्होंने कहा, हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि बुद्धिमान मशीनों के युग में भी, मानवता अपने शासन के सिद्धांतों की रचना का अधिकार बरकरार रखे। यदि अंतरराष्ट्रीय कानून इस चुनौती का सामना करने में सक्षम हो जाता है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सभ्यता की नींव रखने वाले मूल्यों को पुनः स्थापित करने का अवसर बन सकती है। छह दिवसीय ब्रिटेन यात्रा पर गए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता न्याय प्रशासन को मजबूत करने के अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करती है और विभिन्न न्यायक्षेत्रों में, अदालतें कानूनी अनुसंधान, मामलों के प्रबंधन, अनुवाद सेवाओं, कार्यवाही के प्रतिलेखन, दस्तावेज वर्गीकरण और न्यायिक मिसालों की पहचान में सहायता के लिए एआई-संचालित उपकरणों का तेजी से लाभ उठा रही हैं।

अमेरिका में 96 यूनिकॉर्न की स्थापना के पीछे भारतीय मूल के उद्यमियों का योगदान : रिपोर्ट

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) की स्थापना करने वाले प्रवासी उद्यमियों में भारतीय मूल के लोगों की संख्या सबसे अधिक है। एक अध्ययन में यह बात कही गई है।

अमेरिका के गैर-लाभकारी संगठन नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी (एनएफएपी) के अध्ययन में कहा गया है कि भारतीय मूल के उद्यमियों ने या तो 96 अमेरिकी यूनिकॉर्न की स्थापना की है या उनमें सह-संस्थापक रहे हैं। इनमें कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सर्च इंजन परप्लेक्सिटी भी शामिल है, जिसकी सह-स्थापना अरविंद श्रीनिवास ने की है और जिसका मूल्यांकन 20 अरब अमेरिकी डॉलर है तथा यह सूची में 12वें स्थान पर है।

अध्ययन के अनुसार, अमेरिका के यूनिकॉर्न स्टार्टअप के प्रवासी संस्थापकों के मूल देशों की सूची में भारत 96 कंपनियों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद इजराइल (60), ब्रिटेन (47), चीन (41), कनाडा (30), रूस (23), फ्रांस (21), जर्मनी (18), यूक्रेन (16), ऑस्ट्रेलिया (14), पाकिस्तान (10) और रोमानिया (10) का स्थान है।

इमिग्रेंट्स एंड यूएस बिलियन-डॉलर कंपनीज शीर्षक वाले इस अध्ययन के लेखक स्टुअर्ट एंडरसन के अनुसार, अमेरिका के निजी क्षेत्र में यूनिकॉर्न स्टार्टअप कंपनियों में 59 प्रतिशत (775 में से 455) की स्थापना या सह-स्थापना प्रवासी उद्यमियों ने की है।

रिपोर्ट में कहा गया कि प्रवासी संस्थापकों वाली इन कंपनियों ने औसतन प्रति कंपनी 833 रोजगार सृजित किए हैं।

भारत के साथ सैन्य संघर्ष में हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान ट्रंप का 'सदा आभारी' रहेगा : शहबाज

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि भारत के साथ सैन्य संघर्ष को खत्म कराने में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समय पर हस्तक्षेप के लिए पाकिस्तान सदा आभारी रहेगा। अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर बृहस्पतिवार को अमेरिकी दूतावास द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में शहबाज ने पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों को लगभग आठ दशकों से जारी सच्चा और खास रिश्ता बताया।

पिछले साल जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रंप के हस्तक्षेप ने शत्रुता समाप्त करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दावा किया, पिछले साल पहलगाम घटना को लेकर भारत की अकारण आक्रामकता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने समय रहते और निर्णायक हस्तक्षेप किया जिसके कारण पिछले साल 10 मई को पाकिस्तान और भारत के बीच सैन्य संघर्ष थमा।

शहबाज ने कहा, दक्षिण एशिया में शांति बहाल करने और लाखों लोगों की जान बचाने के लिए हम राष्ट्रपति ट्रंप के सदा आभारी रहेंगे।

डांस के महारथी एक साथ! मुंबई में 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीजन 5' के सेट पर पोज़ देते मशहूर कोरियोग्राफर व डायरेक्टर रेमो डिसूजा और कोरियोग्राफर गीता कपूर।

'पेड्डी' की रिलीज पर तिरुपति बालाजी के दर पहुंचीं जाह्नवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की बहु प्रतीक्षित दक्षिण भारतीय फिल्म 'पेड्डी' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इस खास अवसर पर अभिनेत्री आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर (श्रीवारी मंदिर) में दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद लिया। मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर ने श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान के सामने माथा टेककर फिल्म की सफलता की कामना की। मंदिर परिसर में वह पारंपरिक अंदाज में नजर आईं। खास बात है कि अभिनेत्री मंदिर तक नंगे पैर पहुंचीं। दर्शन के बाद जब वह मंदिर से निकलीं तो उन्होंने प्रवेश द्वार पर रुककर सिर झुकाया और श्रद्धा स्वरूप अपना माथा टेककर भगवान को प्रणाम किया। इस दौरान जाह्नवी पारंपरिक भारतीय परिधान में नजर आईं। उन्होंने गहरे बैंगनी रंग की सिल्क साड़ी पहनी थी, जिस पर खूबसूरत फूलों की डिजाइन बनी हुई थी। अपने लुक को उन्होंने सोने का कमरबंद, चोकर नेकलेस, झुमकों और पारंपरिक चूड़ियों के साथ पूरा किया।

जान्हवी कपूर अक्सर तिरुपति बालाजी के दर्शन को मंदिर आती रहती हैं। वह लगभग हर साल अपने जन्मदिन के मौके पर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन करने तिरुमाला पहुंचती हैं। इतना ही नहीं, वह अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी के जन्मदिन पर भी मंदिर जाकर पूजा-अर्चना करती हैं।उनकी फिल्म 'पेड्डी' की बात करें तो यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ दक्षिण भारतीय सुपरस्टार राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, फिल्म में बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवा की है जो खेलों के माध्यम से अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष करता है। क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने वाला यह किरदार कई चुनौतियों, प्रतिद्वंद्विता और सामाजिक दबावों का सामना करता है। राम चरण इस फिल्म में एक बहुमुखी खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं।

आवेदन

नादिया के कृष्णानगर नगर पालिका कार्यालय में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़। अन्नपूर्णा योजना के तहत फंड जारी होने के बाद आवेदन फॉर्म लेने के लिए कतारों में खड़ीं महिलाएं।

आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय पहले सोचें : नुसरत भरूचा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, आईपीएल फाइनल से जुड़ी वीडियो में कुछ आवाजें सुनाई दे रही थी, जिसे लेकर लोगों ने अलग-अलग दावे करने शुरू कर दिए। अब इस पूरे विवाद पर खुद नुसरत भरूचा ने सफाई दी है और बताया है कि आखिर उस वीडियो में सुनाई देने वाली आवाजें किसकी थीं। नुसरत ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में कई तस्वीरें और स्क्रीनशॉट पोस्ट किए। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट भी लिखा, ''कुछ लोगों ने इस मामले को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया है। एक छोटे से पपी के रोने की आवाज को लेकर इतना बड़ा विवाद खड़ा कर दिया गया। किसी ने मेरी ओर से झूठी सफाई भी जारी कर दी, जबकि वह बयान मैंने कभी दिया ही नहीं था।''

अपने पोस्ट में नुसरत ने बताया, ''जिस दिन यह वीडियो रिकॉर्ड की गई थी, उस दिन मैं अपने दोस्तों के घर पर आईपीएल का फाइनल मैच देख रही थीं। उसी दौरान दोस्तों का एक पालतू पपी रोने जैसी आवाजें निकाल रहा था। वही आवाजें वीडियो में रिकॉर्ड हो गई थीं। मेरे एक दोस्त ने उसी समय दूसरे एंगल से एक और वीडियो बनाया था, जिसमें वही आवाजें साफ-साफ सुनाई दे रही हैं।''

इसके बाद अभिनेत्री ने एक और वीडियो साझा किया, जिसमें वह घर और पपी भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया, ''यह वीडियो उसी रात कुछ देर बाद रिकॉर्ड किया गया था। पहले ही मुझे सलाह दी गई थी कि मैं अपनी पुरानी वीडियो हटा दूं, क्योंकि कुछ लोग उसका गलत मतलब निकाल सकते हैं। इसी डर की वजह से मैंने वीडियो हटा भी दी थी, लेकिन बाद में वही हुआ, जिसकी आशंका थी। लोगों ने बिना सच्चाई जाने तरह-तरह की बातें बनानी शुरू कर दीं।''

अभिनेत्री ने लोगों से अपील की कि मोबाइल फोन होने का मतलब यह नहीं है कि किसी को परेशान किया जाए या उसके बारे में गलत बातें फैलाई जाएं। किसी भी बात पर आंख बंद करके भरोसा करने के बजाय पहले सोचें, समझें और फिर जिम्मेदारी के साथ प्रतिक्रिया दें।

झूठे आरोपों पर ट्रोल हुईं शिल्पा शिंदे, वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मैं खुद को सही साबित करने नहीं आई'

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान कबूल की थी कि 2016 में भाबीजी घर पर है के प्रोड्यूसर पर उन्होंने यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाए थे, जिसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। गुरुवार को अभिनेत्री ने अपने बचाव पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर की, जिसमें वह कहती हैं कि उन्हें पता है कि उन्होंने जो किया है वह सही है और नकारात्मक टिप्पणियों से उन्हें बिल्कुल भी फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा, बहुत से लोगों ने पॉडकास्ट के सिर्फ एक क्लिप के आधार पर, पूरे संदर्भ को समझे बिना ही मेरे बारे में राय बना ली। मैं आमतौर पर टिप्पणियां पढ़ती हूं क्योंकि मुझे पता है कि मेरे फैंस मुझे क्या लिखते हैं। अगर आप भाती और हर्ष का पॉडकास्ट देखेंगे, तो आपको वहां भी टिप्पणियां देखने को मिलेगी। इस पीआर कैंपेन और आ रही टिप्पणियों के बाद, मैं उन लोगों से कहना चाहती हूं कि आप जैसा बोते हैं, वैसा ही काटते हैं। अभिनेत्री ने स्पष्ट करते हुए बताया कि कुछ लोग हालात को समझे बिना तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि ऐसा होने वाला है क्योंकि दुनिया कभी भी किसी अच्छी चीज की सराहना नहीं करती। आप जैसे लोग, जो आज कमेंट कर रहे हैं, उन्हें लगता है कि मुझे यह कहने की जरूरत नहीं थी। मैं यह बात दस साल पहले भी कह सकती थी, जब मैं वह शो कर रही थी लेकिन मैंने इसे अब कहने का फैसला किया। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यहां पर खुद को साबित करने के लिए नहीं आई हूं, बल्कि अपनी अंतरात्मा के सामने सही होना चाहती थी क्योंकि वह बात एक झूठ थी। मुझसे किसी ने ऐसा करने के लिए नहीं बोला था लेकिन मैं उस झूठ के बोझ के साथ जी नहीं सकती थी। उस समय मैं किस मुश्किल दौर से गुजरी, यह कोई नहीं जानता। भगवान न करे कि ऐसी परिस्थिति का सामना आपको या आपके परिवार को करना पड़े।

शिल्पा शिंदे ने बताया कि यह सब उन्होंने पैसों के लिए नहीं किया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी, क्योंकि मैं जानती हूं कि उस समय मैंने कितनी बड़ी लड़ाई लड़ी थी। जिस व्यक्ति पर मैंने इल्ज़ाम लगाया था, वह जानता है कि असल में क्या हुआ था। मुझे अफसोस है। 'सॉरी' शब्द बहुत छोटा है लेकिन वह यह भी जानता है कि मैं उस समय किस हालात में थी। उस समय, मुझे लगा कि मेरे पास कोई और चारा नहीं है। मैं ऐसी मानसिक स्थिति में थी कि आत्महत्या करने के बारे में सोच रही थी।उन्होंने आगे कहा, उस समय कई लोगों ने मेरा मजाक बनाया और गाली भी दी, लेकिन जब आप जानते हैं कि आपने कुछ भी गलत नहीं किया है, तो आपको किसी भी चीज का डर नहीं लगता। उस समय किसी ने भी मेरा साथ नहीं दिया था, इसलिए अब भी मुझे किसी के साथ की उम्मीद नहीं है। मैं इन सभी चीजों का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। लोग क्या सोचते हैं, मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है। जो प्रोड्यूसर कलाकारों को गालियां देते हैं, वे तो 10-15 साल तक लगातार काम करते रहते हैं, लेकिन हम जैसे कलाकारों से यह उम्मीद की जाती है कि हम चुप रहें।अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, पूरा पॉडकास्ट देखे बिना सिर्फ एक लाइन के आधार पर फैसला सुनाना, पेड पीआर का घटिया तरीका है। मुझे समझने के लिए मेरे शुभचिंतकों का धन्यवाद। बता दें कि अभिनेत्री शिल्पा शिंदे भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में गई थीं। इस दौरान उन्होंने बताया था कि 'भाबीजी घर पर हैं!' के सेट पर उनके साथ हुए यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे थे। इस मामले पर बात करते हुए उन्होंने कहा, वह झूठ था, और साथ ही उन परिस्थितियों के बारे में भी बताया जिनके चलते उन्होंने ये आरोप लगाए थे।इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिनेत्री शिल्पा शिंदे को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स और संगठनों ने उनके कबूलनामे के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की और कुछ ने तो उनकी गिरफ्तारी की भी मांग की नेशनल काउंसिल फॉर मेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए अभिनेत्री शिल्पा शिंदे के खिलाफ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न की झूठी शिकायत दर्ज करने के मामले में कार्रवाई करें।

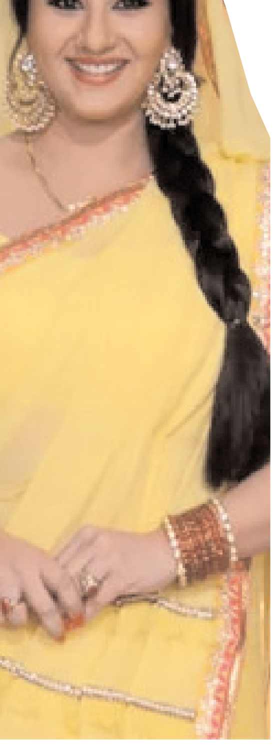

मदुरै में दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै के संयुक्त तत्वावधान में 4 और 5 जून को दक्षिण भारत के ऐतिहासिक नगर मदुरै में दो दिवसीय 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सम्मेलन की अध्यक्षता एफसीआई मुख्यालय (नई दिल्ली) के मुख्य महाप्रबंधक (राजभाषा) ओ.पी. डाणी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने नई संसदीय राजभाषा समिति द्वारा किए जा रहे सघन निरीक्षणों के प्रति सभी कार्यालयों को सतर्क किया। उन्होंने तिमाही प्रगति रिपोर्ट को पूरी

हिंदी के प्रगामी प्रयोग पर हुआ गहन मंथन

सावधानी से भरने और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों में कार्यालय प्रमुखों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान तमिलनाडु के महाप्रबंधक (क्षेत्र) असीम छाबड़ा ने उपस्थित अधिकारियों को संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत राजभाषा हिंदी में कार्य करने के संवैधानिक दायित्वों का स्मरण कराया। सम्मेलन में उप महाप्रबंधक एच.एम.के. दीक्षित ने संशोधित संसदीय राजभाषा प्रश्नावली और नए अनुलग्नकों की बारीकियों को समझाया।

दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में नराकास सदस्य सचिव अमितेश कुमार सिंह और सहायक महाप्रबंधक राशि सिन्हा ने भी राजभाषा लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने और हिंदी कार्य को व्यावहारिक व रोचक बनाने पर व्याख्यान दिए। अंत में पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से निगम के सभी 5 अंचलों की राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (राजभाषा) कुणाल कुमार गुप्ता ने किया तथा सहायक महाप्रबंधक कामता प्रसाद के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

सेलम डिवीजन ने 2400 किलोमीटर की सबसे लंबी दूरी से बिटुमेन की लोडिंग का रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। दक्षिणी रेलवे के सलेम डिवीजन में 3 जून को सबसे लंबी माल ढुलाई का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिसमें बिटुमेन ले जाने वाले 45 कंटेनरों वाली एक ट्रेन शामिल थी। यह ट्रेन आईजीसीएस (इरुगुर कंटेनर डिपो, सलेम डिवीजन, दक्षिणी रेलवे) से चली और एफसीओएन, कंटेनर साइडिंग फतुहा (दानापुर डिवीजन, पूर्वी मध्य रेलवे) को रवाना हुई। कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकोर) के इरुगुर स्थित अंतर्देशीय कंटेनर डिपो ने, मेसर्स ब्रिस्कवर्ल्ड वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, 3 जून को इरुगुर (आईजीयू) से फातुआ (एफसीओएन) तक कुल 90 टीईयू बिटुमेन की लोडिंग की। (टीईयू का अर्थ है ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट - शिपिंग कंटेनरों की कार्गो क्षमता को मापने की मानक, सार्वभौमिक इकाई)। यह खेप चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान सलेम रेलवे डिवीजन से शुरू होने वाली पहली बाहरी कंटेनर आवाजाही का प्रतिनिधित्व करती है, जो क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स संचालन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और एक रिकॉर्ड बनाती है।

इस मालगाड़ी में 2,340 टन बिटुमेन का प्रभार योग्य भार था और इसने 2,439 किलोमीटर की दूरी तय की, जिससे 53 लाख का माल ढुलाई राजस्व प्राप्त हुआ। पेट्रोलियम रिफाइनरियों में कच्चे तेल के वायुमंडलीय और निर्वात आसवन (ग्रेड संशोधन के लिए वैकल्पिक वायु - प्रवाह के साथ) द्वारा उत्पादित एक सघन हाइड्रोकार्बन अवशेष, बिटुमेन, कोच्चि स्थित इरुमपनम रिफाइनरी में प्रतिवर्ष एकत्रित किया जाता है और विभिन्न फर्मों को बेचा जाता है। इस वर्ष, खरीद और एकत्रीकरण का कार्य एक निजी फर्म द्वारा किया गया है, और प्रथम - मील और अंतिम - मील कंटेनरीकृत सड़क परिवहन कनेक्टिविटी का प्रबंधन मेसर्स कॉनकोर द्वारा किया गया है।

खेप को इरुगुर स्थित कॉनकोर टर्मिनल पर एकत्रित किया गया और पूर्वी मध्य रेलवे (ईसीआर) के अंतर्गत फातुआ टर्मिनल को भेजा गया, जिसकी कुल दूरी 2,439 किमी है। इस सामग्री का उपयोग बिहार और आसपास के राज्यों में बिटुमेन सड़कों के निर्माण के लिए किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय अवसंरचना विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल दक्षिणी रेलवे और कॉनकोर के अधिकारियों के बीच इस क्षेत्र से कंटेनर आवागमन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर और घनिष्ठ सहयोग का परिणाम है।

मदुराई -जोधपुर सीधी रेल सेवा के लिए डीआरएम को ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै नॉर्थ इंडियन वेलफेयर एसोसिएशन (मनिवा) के प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिणी रेलवे के मदुराई मंडल के रेल मंडल प्रबंधक (डीआरएम) ओम प्रकाश मीणा को मदुराई से जोधपुर के बीच सीधी रेल सेवा प्रारंभ करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण भारत में निवासरत राजस्थान एवं गुजरात के प्रवासी परिवारों को रेल यात्रा में होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। ज्ञापन में बताया गया कि मदुराई एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में राजस्थान और गुजरात के व्यापारी, कर्मचारी एवं परिवार निवास करते हैं। वर्तमान में राजस्थान जाने के लिए यात्रियों को कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती है, जिससे विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मणिवा ने मांग की कि मदुराई -जोधपुर सीधी रेल सेवा शीघ्र प्रारंभ की जाए, साथ ही भगत की कोठी-जोधपुर रेलगाड़ी संख्या 06067 को अहमदाबाद, भीलड़ी-समदड़ी मार्ग से दोनों दिशाओं में नियमित रूप से संचालित किया जाए। इसके अलावा चेन्नई एक्सप्रेस (20626) का विस्तार सप्ताह में कम से कम दो दिन मदुराई तक किए जाने की मांग भी रखी गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह केवल रेल सेवा की मांग नहीं, बल्कि हजारों प्रवासी परिवारों की सुविधा, सुरक्षा और भावनाओं से जुड़ा विषय है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से इस दिशा में सकारात्मक पहल करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर मनिवा के उपाध्यक्ष मुकेशसिंह राजपुरोहित, महासचिव रतनदास वैष्णव, कोषाध्यक्ष किशोर डी. पटेल, सह सचिव महेंद्रसिंह राजपुरोहित, मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा, मदनसिंह राजपुरोहित सहित संस्था के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

केवीबी ने विल्लिवक्कम में खोली अपनी शाखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने विलिवक्कम क्षेत्र (सिडको नगर) में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया है। यह बैंक की देशभर में 903वीं शाखा है। नई शाखा का उद्घाटन प्रधान सचिव-पर्यटन आयुक्त एवं प्रबंध निदेशक टीटीडीसी डॉ. एम. एस. शन्मुगम, आइ.ए.एस. ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर केआरएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स की ट्रस्टी डॉ. वसंथा गौरी भी उपस्थित रही। नए शाखा के उद्घाटन अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रमेश बाबू ने कहा कि इस नए शाखा के माध्यम से आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उत्तर चेन्नई के लोगों तक और करीब पहुंचेंगी।

उन्होंने कहा कि केवीबी निवासियों, उद्यमियों और व्यापारियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यशील पूंजी समाधान, व्यापार वित्त और डिजिटल भुगतान साधनों के माध्यम से सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मोहन गोइन्का को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में 4 जून को अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी तथा अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष मोहन गोइन्का की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। गोइन्का का स्वर्गवास 3 जून को हो गया था। श्रद्धांजलि सभा में विद्यालय के सचिव एवं पत्राचारक मुरारीलाल सोंथलिया, सहपत्राचारक एवं सांस्कृतिक अध्यक्ष शालिनी अग्रवाल, प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य रघुदेव एवं उपप्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन, शिक्षक गण एवं छात्रों ने एकत्रित होकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरुआत स्व. मोहन गोइन्काजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। तदुपरांत उपस्थित सभा ने गोइन्का के चित्र के समक्ष दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। सभा में उपस्थित शिक्षकों ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा एवं खेलों के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं अविस्मरणीय रहा। वक्ताओं ने उनके निधन को समाज और परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति बताया।

- चेन्नई में मंगल प्रवेश पर मुनिद्वय का आध्यात्मिक अभिनंदन

हम चेन्नई में धर्म जागृति की प्रेरणा लेकर आए हैं : डॉ. मुनि पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमण के शिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकितकुमार जी व नचिकेता मुनिश्री आदित्यकुमार का चेन्नई महानगर सीमा मंगल प्रवेश के अवसर पर आध्यात्मिक स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन एचटीएल प्रांगण ने आयोजित हुआ। इस मौके पर डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमार ने कहा, संत जागृति का संदेश लेकर आते हैं। मुनि स्वयं जागृत रहता है और श्रावक समाज को भी जागृत रहने की पवित्र प्रेरणा देता है। समाज में आई हुई सुषुप्तता को हटाने के लिए संतों का आगमन होता है।

मुनिश्री ने आगे कहा हम चेन्नई में धर्म जागृति की प्रेरणा लेकर आए हैं। चेन्नई सर्व श्रावक समाज में आध्यात्मिक आनंद कैसे बढ़े, यही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा इस भीषण गर्मी में भी पदयात्रा करते हुए हम आचार्यश्री की कृपा एवं आशीर्वाद से सातापूर्वक बेंगलूरु से चेन्नई पहुंच गए हैं। चातुर्मास में एवं चातुर्मास से पूर्व चेन्नई श्रावक समाज के प्रत्येक घर में पगलिया एवं गोचरी तथा प्रवचन का लाभ देने का भाव है। मुनिश्री ने प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि साहूकारपेट 'चातुर्मासिक धर्मोत्सव 2026' में सम्पूर्ण श्रावक समाज का स्वागत है।

नचिकेता मुनिश्री आदित्य कुमार ने गीत प्रस्तुत करते हुए युवा वर्ग को आध्यात्मिकता से जोड़ने के प्रेरणा प्रदान की। सभाध्यक्ष अशोक खतंग ने चेन्नई की धरा पर पधारे हुए मुनिद्वय एवं सभी महानुभावों का स्वागत-अभिनन्दन किया। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा चेन्नई के नव चयनित अध्यक्ष महेंद्र मांडोत, जैन महासंघ अध्यक्ष प्यारेलाल पितलिया, महासभा के तमिलनाडु आंचलिक प्रभारी विमल चिप्पड़, तथा एचएफसीएल के प्रबंधक मनोज बैद ने महासभा अध्यक्ष महेंद्र नाहटा परिवार की ओर से मुनिश्री का फैक्ट्री परिसर में पधारने पर स्वागत-अभिनंदन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.